

हिंदू रक्षा दल के उत्तराखंड अध्यक्ष पर मुकदमा, पुलिस ने सबूत कब्जे में लिए



देहरादून, एजेंसी। हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा के खिलाफ मुस्लिम समुदाय को लेकर कथित आपत्तिजनक और धमकी भरी टिप्पणी करने के मामले में नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुस्लिम सेवा संगठन की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर शिकायत: मुस्लिम सेवा संगठन के पदाधिकारी कैफ खान ने नगर कोतवाली में शिकायत देते हुए आरोप लगाया कि ललित शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। शिकायत के मुताबिक, वीडियो में मुस्लिम समुदाय को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है और मुस्लिम समाज के लोगों के साथ अभद्रता करने की बात कही गई है। यह वीडियो गांधी रोड स्थित ललित शर्मा के कार्यालय में बैठकर बनाया गया है। शिकायतकर्ता संगठन के मुताबिक, यह वीडियो 31 अगस्त की शाम करीब 5 बजे फेसबुक पर एक अकाउंट से शेयर किया गया। संगठन की ओर से पुलिस को वीडियो की पेन ड्राइव और फेसबुक लिंक भी उपलब्ध कराया गया है। मुस्लिम सेवा संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी का कहना है कि, हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने पहले भी मुस्लिम समुदाय की महिलाओं के बारे में अशब्द कहे हैं। और फिर दोबारा से मुस्लिम समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक और धमकी भरी टिप्पणी की गई है। जिसको लेकर शिकायत दर्ज कराते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुस्लिम सेवा संगठन के पदाधिकारी ने चेतावनी दी है कि, अगर पुलिस और प्रशासन ललित शर्मा के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं तो मुस्लिम सेवा संगठन बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा। इसकी जिम्मेदारी पुलिस और प्रशासन की होगी।

अल्मोड़ा जिले में भारी बारिश से टिन शेड गिरा, दो नेपाली श्रमिकों की मौत, दो हादसों में 5 की गई जान



अल्मोड़ा, एजेंसी। कुमाऊं मंडल का प्रमुख जिला अल्मोड़ा मंगलवार को प्राकृतिक आपदा की मार से लहलुहान हुआ। पहले सोमेश्वर ब्लॉक में मकान में मलबा घुसने से 3 लोगों की उसमें दबने से मौत हो गई थी. इसके बाद धार की तूनी क्षेत्र में भी प्राकृतिक आपदा ने दो लोगों की जान ले ली. यहां लगातार हो रही बारिश से दीवार गिर गई और दो नेपाली मजदूरों की उसके नीचे दबकर जान चली गई. इस तरह दो हादसों में 5 लोगों की जान चली गई. टिन शेड गिरने से दो नेपाली श्रमिकों की मौत : अल्मोड़ा जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश अब लोगों के लिए आफत बनती जा रही है. भारी बारिश के चलते जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुई आपदा की घटनाओं में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है. ताजा मामला अल्मोड़ा के धार की तूनी क्षेत्र से सामने आया है. यहां टिन शेड की दीवार अचानक ढहने से उसके नीचे दबकर दो नेपाली मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई. कई घंटों से लगातार हो रही बारिश: बताया जा रहा है कि पिछले कई घंटों से क्षेत्र में लगातार तेज बारिश हो रही थी. इसी दौरान धार की तूनी के पास स्थित टिन शेड की दीवार भूभराकर गिर गई. हादसे में वहां मौजूद दो नेपाली श्रमिक मलबे के नीचे दब गए. घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमों मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया. डीएम मौके पर पहुंचे: मौके पर अल्मोड़ा के जिलाधिकारी अंशुल सिंह, जिला आपदा अधिकारी विनीत पाल समेत आपदा प्रबंधन की टीम मौजूद रहीं. टीमों ने मलबा हटाकर दोनों मजदूरों को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी. ये है हादसे का कारण: अल्मोड़ा जिले में कई घंटों से लगातार बारिश हो रही है. लगातार बारिश के कारण पहाड़ी से ढेर सारा मलबा नीचे आया. मलबे की चपेट में आकर टिन शेड ढह गया. टिन शेड के अंदर सो रहे दो नेपाली मजदूर मलबे में दब गए. इससे दोनों की मौत हो गई. दो हादसों में पांच की मौत: वहीं इससे पहले सोमेश्वर विकासखंड के डडगूड़ा गांव में भी बारिश के चलते मकान के मलबे में दबने से तीन लोगों की मौत हो चुकी है. इन दोनों घटनाओं के बाद अल्मोड़ा जिले में बारिश और आपदा से मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है. लगातार हो रही बारिश ने जिले में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है. कई स्थानों पर भूस्खलन और मलबा आने से सड़कें बाधित हो गई हैं. दर्जनों मार्गों पर यातायात रूखावित है, जबकि कई घरों में भी मलबा घुसने की सूचना है. लोगों से घरों में रहने की अपील: प्रशासन की ओर से संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है. आपदा प्रबंधन, एसडीआरएफ और अन्य राहत टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं. लगातार बारिश के बीच प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है.

नकल कराने के आरोपी की जमानत याचिका खारिज, एसएससी परीक्षा में रिमोट एक्सेस से परीक्षा में लगाई थी सेंध

देहरादून, एजेंसी। कर्मचारी चयन आयोग की ऑनलाइन परीक्षा में कथित तौर पर रिमोट एक्सेस के जरिए नकल कराने के मामले में आरोपी प्रदीप चौहान को कोर्ट से राहत नहीं मिली है. देहरादून सत्र न्यायालय ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी है. कोर्ट ने मामले को गंभीर प्रकृति का मानते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपी की भूमिका प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र रिमोट एक्सेस के जरिए बाहर बैठे सॉल्वर से हल कराने की साजिश में सामने आती है. 14 फरवरी को दर्ज हुई थी एफआईआर : पुलिस उपाधीक्षक जगदीश चंद्र पंत की ओर से 14 फरवरी 2026 को देहरादून नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था. आरोप है कि 13 फरवरी को महादेव डिजिटल जेन. एमकेपी इंटर कॉलेज में एसएसी मल्टी टास्किंग स्टाफ और हवलदार परीक्षा- 2025 के दौरान संगठित तरीके से रिमोट एक्सेस संसाधनों का इस्तेमाल कर अभ्यर्थियों को नकल कराई जा रही थी. रिमोट एक्सेस से बाहर बैठे सॉल्वर से हल कराने का आरोप: अभियोजन के मुताबिक प्रदीप चौहान अन्य आरोपियों के साथ मिलकर परीक्षा केंद्रों को ऐसी तकनीकी सुविधा उपलब्ध कराता था, जिससे केंद्र के नेटवर्क को बाहर बैठे सॉल्वर से जोड़ा जा सके. इसके बाद अभ्यर्थियों के प्रश्नपत्र बाहर बैठे सॉल्वर से हल कराए जाते थे और इसके बदले अभ्यर्थियों से पैसे लिए जाते थे. बचाव पक्ष ने बताया झूठा फंसाया गया: जमानत के दौरान बचाव पक्ष ने कहा कि प्रदीप चौहान निर्दोष है और उसे झूठा फंसाया गया है. वह न तो परीक्षा केंद्र का मालिक था, न पर्यवेक्षक और न ही परीक्षार्थी. उसके पास से कोई बरामदगी भी नहीं हुई. बचाव पक्ष ने एक सह-आरोपी को हाईकोर्ट से जमानत मिलने का हवाला भी दिया. अभियोजन ने जमानत का किया विरोध: अभियोजन ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से परीक्षार्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाने की व्यवस्था की. अभियोजन ने यह भी बताया कि आरोपी के खिलाफ परीक्षा में नकल कराने से जुड़ा एक अन्य मामला भी दर्ज है.

मसूरी गोलीकांडके 32 साल बाद भी जिंदा हैं कई सवाल, शहीदों के परिवारों को आज भी सपने पूरे होने का इंतजार

मसूरी, एजेंसी। 2 सितंबर 1994... उत्तराखंड आंदोलन के इतिहास का वो काला दिन, जिसे मसूरी कभी नहीं भूल सकती. पहाड़ों की शांत वादियों अचानक गोलियों की आवाज से दहल उठी थीं. अलग उत्तराखंड (उत्तरांचल) राज्य की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे लोगों पर पुलिस और पीएसी की गोलीबारी में 6 आंदोलनकारियों ने शहादत दी थी. इनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं. घटना के दौरान एक पुलिस अधिकारी की भी मौत हुई थी. आज गोलीकांड की 32वां बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी, लेकिन उनके परिजनों और आंदोलनकारियों के बीच एक सवाल अब भी गूंज रहा है कि जिस उत्तराखंड के लिए इतना बड़ा बलिदान दिया गया, खटीमा गोलीकांड के विरोध में निकले थे आंदोलनकारी: राज्य आंदोलनकारी पूर्ण जुयाल ने बताया कि 1 सितंबर 1994 को खटीमा गोलीकांड के बाद मसूरी में भी आक्रोश था. 2 सितंबर को आंदोलनकारी खटीमा घटना के विरोध में जुलूस निकालकर उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति के झूलाघर स्थित कार्यालय की ओर जा रहे थे. इसी दौरान गनहिल की ओर से पथराव होने के बाद भगवद जैसी स्थिति बनी और आंदोलनकारी कार्यालय की ओर जाने लगे. इसी बीच पुलिस और पीएसी की ओर से गोलीबारी शुरू हो गई. इस गोलीकांड में मदनमोहन ममोई, हंसा धनाई, बेलमती चौहान, बलबीर सिंह नेगी, धनपत सिंह और राय सिंह बंगारी शहीद हो गए. मसूरी के सेंट मैरी अस्पताल के बाहर तत्कालीन सीओ उमाकांत त्रिपाठी की भी मौत हुई थी. घटना के बाद पुलिस ने काफी संख्या में आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया. आंदोलनकारियों की मानें तो करीब 46 लोगों को बरेली सेंट्रल जेल भेजा गया. कई लोगों को लंबे समय तक मुकदमों का सामना भी करना पड़ा. 32 साल बाद भी नहीं भूले वो जख्म: मसूरी गोलीकांड के प्रत्यक्षदर्शी और आंदोलनकारी आज भी उस दिन को याद कर भावुक हो जाते हैं. उनका कहना है कि उस समय आंदोलन केवल अलग राज्य की मांग तक सीमित नहीं था. इसके पीछे पहाड़ के लोगों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान के साथ जीने का अवसर देने तथा पलायन रोकने की उम्मीद थी. आंदोलनकारियों का कहना है कि 9 नवंबर 2000 को उत्तराखंड (उत्तरांचल) अलग राज्य बनना उनके

पिथौरागढ़ में बारिश का कहर: आदि कैलाश मार्ग पर मलबा और बोल्टर आने से सड़क बंद, तीन घाटियों का संपर्क टूटा

पिथौरागढ़, एजेंसी। पिथौरागढ़ जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर कुला गाड़, एला गाड़ और मलघाट में मलबा व बोल्टर आने से सड़कें बंद हो गई हैं। इससे दारमा, चौदास और व्यास घाटी का तहसील मुख्यालय से संपर्क टूटा गया है। पिथौरागढ़ जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर कुला गाड़, एला गाड़ और मलघाट में मलबा और बोल्टर आने से सड़क बंद है। बारिश के चलते बीआरओ की ओर से सड़क खोलने का काम फिलहाल रोक दिया गया है। कुला गाड़ और एला गाड़ में मार्ग बंद होत से दारमा, चौदास और व्यास घाटी का तहसील मुख्यालय से संपर्क फिलहाल

दिल्ली और धारचूला-दिल्ली के बीच जनजीवन रूखेज बसें भी मार्ग बंद होने के कारण फंसी हैं। उधर प्राथमिक पाठशाला शेषाघाट के आंगन की करीब 40 मीटर लंबी सुखा दीवार पूरी तरह गिर गई है। दीवार के पास बिजली का पोल भी लगा है, जिसके कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई है। स्कूल के नीचे घर होने के कारण पोल गिरने पर बड़ा नुकसान हो सकता है।

उत्तराखंड में बारिश से हाल बेहाल, टिहरी में चंबा-गंगोत्री हल। पर लैंडस्लाइड, 2 स्टेट हाईवे भी बंद

टिहरी गढ़वाल, एजेंसी। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. बारिश के कारण नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है. दूसरी तरफ, पहाड़ी जिलों में बारिश से लैंडस्लाइड और बोल्टर गिरने की घटनाएं दर्ज की जा रही हैं. वहीं चंबा-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर लैंडस्लाइड होने से हाईवे बंद हो गया है. टिहरी गढ़वाल के मटियाली नगुण (चिन्त्यालीसीड से पहले) लैंडस्लाइड होने से नेशनल हाईवे-34 बंद हो गया. मार्ग को सुचारू करने हेतु संबंधित विभाग द्वारा मार्ग खुलवाने का प्रयास किया जा रहा है. दूसरी तरफ स्टेट हाईवे 77 गुजराग-राजीवगढ़ी मार्ग पर लैंडस्लाइड होने से मार्ग अवरुद्ध हो गया है. मार्ग को सुचारू करने के लिए संबंधित विभाग द्वारा मार्ग खुलवाने का प्रयास किया जा रहा है. वहीं, स्टेट हाईवे 31 देवब्रयाग-गन्गा-जाल मोटर मार्ग भी पर आवाजाही के लिहाज से खतरा बना हुआ है. आमगाटा के पास लैंडस्लाइड के कारण मार्ग अवरुद्ध हो गया था, जो अब यातायात हेतु खोल दिया गया है. हालांकि, मार्ग के अन्य स्थानों पर लगातार मलबा गिरने की घटना रिकॉर्ड की जा रही है. जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार बारिश एवं लैंडस्लाइड की संभावना को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचे. यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतें और सड़क की स्थिति की जानकारी लेकर ही आगे बढ़ें. उधर, जिले के

मल्ला बिंदी में भूस्खलन से दो मकान खतरे की जद में आए

बंगापानी, एजेंसी। विस्थापन होने के बाद भी बिंदी गांव के आपदा प्रभावितों का पुनर्वास नहीं किया जा सका है। पुनर्वास न होने से ये परिवार आपदा प्रभावित गांव में ही रहने को मजबूर हैं। शनिवार को बिंदी गांव में फिर से भूस्खलन होने से दो मकानों को खतरा पैदा हो गया है। प्रभावितों ने प्रशासन से जल्द उनका पुनर्वास किए जाने की मांग की है। शनिवार सुबह करीब आठ बजे ग्राम पंचायत टांगा के बिंदी तोक में दो मकानों के आगे भूस्खलन हो गया। इससे दुर्गा सिंह और उनके पुत्र बहादुर सिंह के मकान खतरे की जद में आ गए हैं। आंगन घंसने से मकान के गिरने की संभावना बनी हुई है। इन परिवारों को वर्ष 2023 में विस्थापित किया जा चुका है। मल्ला बिंदी के आपदा प्रभावित सात परिवारों में से तीन परिवारों को ग्राम पंचायत सिरतोला में भवन निर्माण के लिए भूमि भी आवंटित

की गई। भवन निर्माण के लिए पहली किश्त प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में जारी की गई, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों के विरोध के कारण प्रभावित अब तक सिरतोली में भवन निर्माण नहीं कर पाए हैं। अब बीते शनिवार को मल्ला बिंदी में फिर से भूस्खलन की घटना से प्रभावित परिवारों की सुरक्षा का सवाल गंभीर हो गया है। ग्राम प्रधान विक्रम सिंह बथ्नाल ने प्रभावित परिवारों ने जिलाधिकारी से ग्राम पंचायत सिरतोला में भूमि आवंटन को लेकर उत्पन्न विवाद का शीघ्र निस्तारा कराए जाने की अपील की है। बूंदी गांव के प्रभावितों को सिरतोली और अन्य स्थानों में विस्थापित कर दिया गया है। भवन निर्माण के लिए उन्हें शासन से पहली किश्त भी जारी हो चुकी है। प्रभावित अब तक विस्थापित क्यों नहीं हुए, इसकी जानकारी ली जाएगी।



संघर्ष की बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन राज्य बनने के बाद भी पहाड़ की कई मूल समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुईं. इन 26 सालों में विकास तो हुआ, लेकिन पहाड़ी राज्य के मुताबिक नहीं हो पाया है. शहीदों के परिवारों की आर्थिक स्थिति बनी चिंता: राज्य आंदोलनकारियों का कहना है कि हर साल 2 सितंबर को शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम होता है. नेता और जनप्रतिनिधि शहीदों को नमन करते हैं, लेकिन कई शहीद परिवार आज भी आर्थिक और सामाजिक समस्याओं से जूझ रहे हैं. आंदोलनकारियों की मानें तो कई लोगों का अब तक राज्य आंदोलनकारी के रूप में चिह्निकरण नहीं हो पाया है. राज्य आंदोलनकारी विजय रमोला, राजेंद्र कंडारी, अशोक अग्रवाल और अनिल गोदियाल आदि का कहना है कि आंदोलन के दौरान चायल हुए कई आंदोलनकारी अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके परिवारों के अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं. ऐसे में केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करने के बजाय सरकार को शहीद परिवारों और आंदोलनकारियों की लंबित समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए. उमाकांत त्रिपाठी को भी शहीद का दर्जा देने की मांग: आंदोलनकारियों की एक प्रमुख मांग ये भी है कि गोलीकांड में जान गंवाने वाले तत्कालीन सीओ उमाकांत त्रिपाठी को

धामी सरकार का एक और मास्टरस्ट्रोक! उत्तराखंड में निकाहनामा लागू करने की तैयारी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में चुनावों से ठीक पहले धामी सरकार एक और मास्टरस्ट्रोक खेलने जा रही है. प्रदेश में अब हिन्दू, मुस्लिम युवाओं की आपस में शादी आसान नहीं होगी. उत्तराखंड में होने वाले निकाह अब निकाहनामा के आधार पर किये जाने की तैयारी है. चुनाव से पहले सरकार ने निकाहनामा पर काम तेज कर दिया है. इसके तहत हिंदू लड़की की शादी मुस्लिम लड़के से करना आसान नहीं होगा. निकाहनामा के तहत अब रजिस्टर्ड मौलवी ही निकाह पढ़ावेंगे. वहीं निकाह मान्य होगा, बिना निकाहनामे वाली शादी यूसीसी पोर्टल एक्सेप्ट ही नहीं करेगा. आसान नहीं होगा अंतर-धार्मिक विवाह: उत्तराखंड सरकार चुनाव से पहले एक नया कदम उठाने जा रही है. जिसके तहत होने वाले निकाह अब निकाहनामा के आधार पर किये जाने की तैयारी है. चुनाव से पहले सरकार ने निकाहनामा पर काम तेज कर दिया है. जिसके तहत अंतर-धार्मिक निकाह करना आसान नहीं होगा. जिससे प्रदेश में अंतर-धार्मिक विवाहों का रजिस्ट्रेशन और वैधता प्रक्रिया बदल सकती है. राज्य सरकार अब निकाहनामा (विवाह-पत्र) को आधिकारिक मान्यता दिलाने की तैयारी में है. इसके लागू होने के बाद निकाह तभी वैध माना जाएगा, जब निकाहनामा के तहत रजिस्टर्ड मौलवी ही निकाह पढ़ावेंगे. सरकार का उद्देश्य है कि सामाजिक पारदर्शिता और वैध रिकॉर्ड सुनिश्चित किया जा

सके. बिना पंजीकृत निकाहनामे वाली शादियां होंगी अस्वीकार: सरकार ने निकाहनामा/निकाह-पंजीकरण सिस्टम को मजबूत करने के लिए काम



तेज कर दिया है. इसके तहत निकाहनामा में वर-वधू की पहचान, धर्म और मत, विवाह की तारीख, मौलवी का रजिस्ट्रेशन नंबर और गवाहों के विवरण संबंधित जानकारी देना अनिवार्य किया जाना प्रस्तावित है. इसके साथ ही स्थायी प्रशासन के साथ-साथ यूसीसी पर इन रिकॉर्ड्स को अपलोड करने की व्यवस्था की जा रही है. जिससे बिना पंजीकृत निकाहनामे वाली शादियों को स्वीकार न किया जाए. दोनों पक्षों का रखा जाएगा पुरा रिकॉर्ड: प्रस्ताव में कहा गया है कि केवल रजिस्टर्ड/लाइसेंस प्राप्त मौलवियों द्वारा पढ़ाये गये निकाह को ही वैध माना जाएगा. यानी पारंपरिक या निजी रीति-रिवाज से हुई अगर पंजीकृत नहीं है तो वे शायियां मान्य नहीं होंगी. सरकार का फोकस दूल्हा-दुल्हन की सुरक्षा, सामाजिक संरक्षण और विवाहों का पूरा रिकॉर्ड

नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर भूस्खलन: हरियाणा के पर्यटकों की कार मलबे-बोल्टर की चपेट में, सभी सुरक्षित बचे

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर ज्योलीकोट नर्सरी गेट के पास मंगलवार को भारी भूस्खलन हो गया। इस दौरान हरियाणा से नैनीताल घूमने आए पर्यटकों की कार मलबे और बोल्टर की चपेट में आ गई। गनीमत रही कि कार सवार सभी पर्यटक सुरक्षित बच गए। नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर ज्योलीकोट नर्सरी गेट के पास मंगलवार को भारी भूस्खलन होने से अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान हरियाणा से नैनीताल घूमने आए पर्यटकों की कार मलबे और बोल्टर की चपेट में आ गई। गनीमत रही कि कार सवार सभी पर्यटक सुरक्षित बच गए। हालांकि, बोल्टर गिरने से कार क्षतिग्रस्त हो गई। मंगलवार की दोपहर ज्योलीकोट के नर्सरी गेट के समीप पहाड़ी में लैंड स्लाइड होने से भारी मात्रा में मलबा व बोल्टर सड़क पर गिर गए। इस दौरान वहां से गुजर

रही हरियाणा के पर्यटकों की कार के ऊपर बोल्टर गिर गया। आनन फानन में पर्यटकों ने कार से भागकर अपनी जान बचाई। लेकिन भूस्खलन के चलते मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। सड़क पर मलबा और बोल्टर आने से दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। सूचना मिलने के बाद एनएच की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाने का काम शुरू किया। एनएच के अधीनस्थी अभियंता महेंद्र कुमार ने बताया कि बारिश के दौरान आपदा संभावित क्षेत्रों में पर्यटकों और अन्य वाहनों को रोकने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन कई पर्यटक चेतावनी के बावजूद आगे निकल रहे हैं। उन्होंने बताया कि ज्योलीकोट नर्सरी गेट के पास भूस्खलन के बाद तत्काल जेसीबी भेजी गई है। मलबा हटाकर यातायात सुचारू कराने का प्रयास किया जा रहा है।

तेज हुई स्थाई राजधानी की मांग, देहरादून से गैरसैंण पहुंची पदयात्रा

गैरसैंण, एजेंसी। स्थाई राजधानी गैरसैंण की मांग को लेकर पूर्व सचिव विनोद प्रसाद रतूड़ी के नेतृत्व में 15 अगस्त को देहरादून से शुरू हुई पैदल पदयात्रा आज गैरसैंण पहुंची.

इस दौरान कांग्रेस, यूकेडी,उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के कार्यकर्ताओं व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पदयात्रियों का गैरसैंण के रामलीला मैदान पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया. गैरसैंण के रामलीला मैदान में एकत्रित होकर स्थाई राजधानी गैरसैंण की आवाज को बुलंद करते हुए स्थाई राजधानी गैरसैंण समिति के पदाधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए गैरसैंण में पंथा से भूस्खलन की घटना से प्रभावित परिवारों की सुरक्षा का सवाल गंभीर हो गया है। ग्राम प्रधान विक्रम सिंह बथ्नाल ने प्रभावित परिवारों ने जिलाधिकारी से ग्राम पंचायत सिरतोला में भूमि आवंटन को लेकर उत्पन्न विवाद का शीघ्र निस्तारा कराए जाने की अपील की है। बूंदी गांव के प्रभावितों को सिरतोली और अन्य स्थानों में विस्थापित कर दिया गया है। भवन निर्माण के लिए उन्हें शासन से पहली किश्त भी जारी हो चुकी है। प्रभावित अब तक विस्थापित क्यों नहीं हुए, इसकी जानकारी ली जाएगी।



उन्होंने कहा उत्तराखंड राज्य बने 26 साल हो गए हैं, लेकिन प्रदेश वाशियों को अब तक पता नहीं है कि हमारी राजधानी कहाँ है उन्होंने कहा हमारे साथ जो राज्य झारखंड व छत्तीसगढ़ बने थे उनको अपनी स्थाई राजधानी मिल चुकी है। लेकिन उत्तराखंड एक ऐसा राज्य बन कर रह गया है जिसकी राजधनी का इन 26 सालों में भी पता नहीं लग पाया है. विनोद रतूड़ी ने कहा

कि, उत्तराखंड को लेकर दोनों ही सरकारें संजीदा नहीं है. उन्होंने कहा उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जिसे 42 शहादतों के बाद अलग राज्य मिला. बाबा मोहन उत्तराखंडी की शहादत को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 38 दिन की भूख हड़ताल करने के बाद भी उत्तराखंड को उसकी राजधानी नहीं मिल पाई. कौशिक समिति की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार ने जनमत करवाया था. 60 प्रतिशत लोगों ने गैरसैंण को राजधानी के लिए उपयुक्त बताया था. तत्कालीन केंद्र सरकार ने उस रिपोर्ट को मानने से इनकार कर दिया, जिसका उदाहरण देकर बताया कि जल्द फेंकने का मन बना चुकी है. प्रेक्षा में यूकेडी की सरकार बनने जा रही है. उन्होंने कहा जनता इस बार भाजपा-कांग्रेस के नाम पर वोट नहीं देगी. किसी भी नेता के प्रलोभन में नहीं आने वाली हैं.

सांक्षिप्त खबरें

2 और 3 सितंबर को होगा मशीनों का भौतिक सत्यापन

गुरुग्राम। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से वर्ष 2026-27 में आरकेवीवाई योजना के तहत समैम योजना में अनुदान पर किसानों द्वारा खरीदी गई कृषि मशीनों का भौतिक सत्यापन 2 और 3 सितंबर को किया जाएगा। सत्यापन के लिए किसानों को निर्धारित स्थान और समय पर मशीनों के साथ पहुंचना होगा। 12 सितंबर को लेजर लैंड लेवलर का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। फर्रुखनगर और सोहना अनाज मंडी में सुबह 10 बजे तथा पटौदी मंडी की नई अनाज मंडी (हेलीमंडी) में दोपहर 2 बजे मशीनों का सत्यापन होगा। इसी तरह 3 सितंबर को रोटोवेटर का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। फर्रुखनगर और सोहना अनाज मंडी में सुबह 10 बजे व पटौदी की नई अनाज मंडी (हेलीमंडी) में दोपहर 2 बजे सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होगी। विभाग ने संबंधित किसानों से निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर अपनी मशीनें प्रस्तुत करने की अपील की है।

मतदाता सूची में दावे-आपत्तियां अब 30 सितंबर तक

गुरुग्राम। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समय-सारणी में बदलाव किया है। अब नागरिक 30 सितंबर तक मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकतेगे। प्रास दावे व आपत्तियों का निपटारा 28 अक्टूबर तक किया जाएगा और 6 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने जिलावासियों से अपील की है कि वे प्रारंभिक मतदाता सूची में अनाज और परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम जरूर जांच लें। नाम, पते या अन्य विवरण में किसी तरह की गलती होने और किसी नाम को लेकर दावा या आपत्ति होने पर निर्धारित समय में आवेदन करें।

अदालत परिसर से बैनर व पंपलेट हटाने के लिए निर्देश

गुरुग्राम। जिला बार एसोसिएशन के 11 सितंबर को होने वाले चुनाव में खड़े 26 उम्मीदवारों के चुनाव समिति की तरफ से नोटिस दिया गया है। चुनाव समिति ने पहले ही सभी प्रत्याशियों को सूचना दे दी थी कि 31 अगस्त शाम तक अदालत परिसर से उनके पोस्टर, पंपलेट, बैनर व अन्य प्रचार करने वाली सामग्री को हटा लिया जाए लेकिन उम्मीदवारों ने मंगलवार दोपहर तक नहीं हटाए थे। इस पर मंगलवार दोपहर बाद चुनाव समिति ने मीटिंग की और सभी प्रत्याशियों को नोटिस जारी कर दिया। छह पदों पर खड़े 26 प्रत्याशियों को नोटिस देते हुए मंगलवार शाम तक का पोस्टर व अन्य सामग्री हटाने का निर्देश दिया है। चुनाव अधिकारी तख्तबीर सिंह तंवर ने चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष कराया जाएगा।

काम नहीं करने वाली एजेंसियां होगी ब्लैकलिस्ट

मानेसर। नगर निगम मानेसर के सिनियर डिप्टी मेयर प्रवीन यादव ने मंगलवार को निगम अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में वार्डों में चल रहे और अधूरे पड़े कामों को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि तय समय में काम पूरा नहीं करने वाली एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। प्रवीन यादव ने सभी 20 वार्डों में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। पार्षदों ने बताया कि कई जगह काम की समय सीमा पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी तक काम अधूरा है। कुछ एजेंसियां टेंडर लेने के बाद काम शुरू नहीं करती या बीच में काम छोड़ देती हैं। अधिकारियों ने बताया कि कई जगह काम में देरी हो रही है। इसका एक बड़ा कारण सड़कों और गलियों के निर्माण के दौरान कुछ लोग अतिक्रमण कर लेते हैं। अतिक्रमण करने वालों को नोटिस दिए जा चुके हैं। संयुक्त आयुक्त दर्शन यादव ने बताया कि अगले सप्ताह से निगम की प्रवर्तन शाखा अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाएगी।

गुरुग्राम में तत्कालीन तहसीलदार पर 25 हजार जुमाना

आयोग सख्त, चैटजीपीटी से भी नहीं मिली RTI की जानकारी; विभाग को लगाई फटकार

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी समय पर और सही तरीके से न देने के एक मामले में सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने कड़ी फटकार लगाते हुए तत्कालीन राज्य जन सूचना अधिकारी-सह-तहसीलदार सतीश कुमार पर 25 हजार रुपये का जुमाना लगाया है। मामला इसलिध भी चर्चा में आ गया, क्योंकि विभाग के प्रतिनिधि ने सुनवाई के दौरान सूचना की उपलब्धता साबित करने के लिए चैटजीपीटी और गूगल सर्च जैसे आधुनिक माध्यमों का सहारा लिया, जो पूरी तरह विफल साबित हुआ। यह आदेश राज्य सूचना आयुक्त डॉ. अजय कुमार सूरा की कोर्ट द्वारा 3 अलग-अलग, लेकिन समान प्रकृति के मामलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए जारी किया गया। फक्कलगाकर मांगी थी जानकारी मामले के अनुसार गुरुग्राम के डीएलएफ निवासी हरिंदर

गुरुग्राम में जलभराव पर राव इंद्रजीत सिंह ने मांगी माफी

मुख्यमंत्री के नृह पानी ले जाने के बयान पर बोले-शहर का जलस्तर उभर लाया जाना चाहिए

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में हाल ही में हुई जलभराव की स्थिति को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने प्रभावित नागरिकों के प्रति खेद व्यक्त करते हुए कहा कि जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान केवल पानी को पंप करके बाहर निकालने से नहीं होगा। इसके लिए शहर के प्राकृतिक जल निकासी तंत्र को बहाल करना, बारिश के पानी का अधिक से अधिक संचयन करना और भूजल का पुनर्भरण सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि जलभराव की

अस्पताल के बाहर पति को जमकर पीटा

सास ईंट लेकर पीछे दौड़ी; युवती बोली- जेट ने पेट में लात मारी, जबरन अर्बोर्शन कराया

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में पत्नी और सास ने मिलकर युवक को जमकर पीटा। दोनों उसे लात- घुंते बरसाती हुई सड़क पर खींच लाई। यहां ट्रैफिक के बीच ही काफी देर तक हंगामा चलता रहा। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें युवक पत्नी को पिटाई से डरकर भागने लगा। दोनों महिलाएं भी उसके पीछे भागने लीं। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। पति की पिटाई कर युवती ने ठक्कर-3 पुलिस चौकी में उसके खिलाफ शिकायत भी दी। युवती का आरोप है कि एक दिन दोपहर 3 बजे सास ने पत्नी के पीछे से लात मारी थी। इसके बाद रात में जबरन अर्बोर्शन भी करा दिया। पूरा परिवार मिलकर कारपीट करता है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। शadi हुई फरीदाबाद की राहुल कॉलोनी निवासी नीतू ने बताया कि



समस्या के समाधान के लिए सरकार, प्रशासन और संबंधित एजेंसियों को लॉन्ग टर्म दृष्टिकोण के साथ काम करना होगा। उन्होंने जल भराव पर माफी भी मांगी है। केंद्रीय मंत्री बुधवार को पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाउस में जीएमडीए, नगर निगम, जिला प्रशासन तथा हरियाणा शहरी विकास

प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उस बयान के उलट ये कहा कि सरकार की सोच बड़ी है, लेकिन मैं गुरुग्राम का सांसद हूं, तो शहर का जलस्तर बढ़ाने की प्लानिंग की जानी चाहिए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने

गुरुग्राम में शिवा बिल्डटेक के ठिकानों पर ईडी की रेड

दोनों डायरेक्टर्स के घर में भी सर्चिंग, बैंक खातों से डिजिटल डिवाइस तक जांच

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम कंस्ट्रक्शन वर्क से जुड़ी कंपनी ह्यशिवा बिल्डटेक के कई ठिकानों पर एक साथ सर्चिंग अभियान चला रही है। ईडी के करीब पांच बड़े और वरिष्ठ अधिकारियों की अगुवाई में यह सर्चिंग सुबह से जारी है। जांच एजेंसी की एक टीम कंपनी के अनुराग, सचिन धक्की देता था कि पहुंची है। डायरेक्टर अशोक जैन के बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन के भारी-भरकम रिकॉर्ड, रियल एस्टेट प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेजों और कंप्यूटर-लैपटॉप जैसे डिजिटल उपकरणों को अपने कब्जे में लेकर बारीक जांच कर रहे हैं। हालांकि, एजेंसी की तरफ से अभी तक इस छापेमारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा मामला बड़े स्तर पर वित्तीय हेरफेर और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा

कहा कि गुरुग्राम ने पिछले दो दशकों में अभूतपूर्व विकास किया है और आज यह हरियाणा के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि विकास का विरोध नहीं है, लेकिन विकास की प्रक्रिया में प्राकृतिक जल निकासी तंत्र के साथ हुई छेड़छाड़ का असर आज सामने आ रहा है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के वर्ष 2004 से वर्ष 2012 कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय लाइसेंस जारी करते समय कई स्थानों पर प्राकृतिक नदी-नालों और जल प्रवाह के क्षेत्रों को भी विकास क्षेत्र में शामिल कर लिया गया, जिससे समय के साथ प्राकृतिक जल निकासी के रास्ते बाधित हुए। प्राकृतिक जल निकासी के रास्ते बाधित होने से बढ़ी समस्या राव इंद्रजीत सिंह

ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में पानी के प्राकृतिक बहाव का रास्ता बंद होने पर जलभराव होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि 2004 से वर्ष 2012 में दिए गए लाइसेंस बिल्डसं ने करीब करीब वर्ष 2018 तक आते आते गुरुग्राम में बड़ी संख्या में नई कॉलोनियां और निर्माण कार्य हुए, लेकिन इनके साथ प्राकृतिक जल निकासी तंत्र को पर्याप्त रूप से संरक्षित नहीं किया गया। कई स्थानों पर प्राकृतिक नालों में निर्माण सामग्री एवं सीपेंडजी वेस्ट डाले जाने से उनकी जल वहन क्षमता भी प्रभावित हुई है। आईआईटी और तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से तैयार होगा स्थायी समाधान उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या का समाधान वैज्ञानिक और तकनीकी आधार पर किया जाना चाहिए। इस दिशा में



हो सकता है। कार्रवाई के चलते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और किसी भी बाहरी व्यक्ति को परिसरों के अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। डिजिटल उपकरणों की भी जांच इडी के अधिकारी कंपनी के बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन के भारी-भरकम रिकॉर्ड, रियल एस्टेट प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेजों और कंप्यूटर-लैपटॉप जैसे डिजिटल उपकरणों को अपने कब्जे में लेकर बारीक जांच कर रहे हैं। हालांकि, एजेंसी की तरफ से अभी तक इस छापेमारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी है कंपनी शिवा बिल्डटेक

गुरुग्राम में कार की टक्कर से बच्ची की मौत मां के साथ पानी भरने नहर किनारे गई

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के धनकोट गांव में एक कार की चपेट में आने से तीन साल की बच्ची की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ, जब बच्ची अपनी मां के साथ नहर के पास लगे नल से पानी भरने गई थी। पुलिस ने बच्ची के पिता की शिकायत पर कार ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अनिल यादव ने बताया कि वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के एटा जिले के रहने वाले हैं। फिलहाल वे धनकोट की नहर कॉलोनी में



किराए पर रहते हैं और प्राइवेट ड्राइवर का काम करते हैं। उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। ड्राइवर पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप अनिल ने बताया कि

उनकी पत्नी किरण कुमारी अपनी तीन साल की सबसे छोटी बेटी दिव्या के साथ धनकोट नहर के पास पानी भरने गई थीं। इसी दौरान नहर के पास मौजूद पर सामने से तेज गति और लापरवाही से आ रही एक कार ने दिव्या को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बच्ची और उसकी मां को उसी कार से वायब्रेंट अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर अनिल भी अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने बच्ची दिव्या को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया बच्ची का ब्रेन डेड पुलिस के मुताबिक, बच्ची को अस्पताल में ह्यब्रेन डेडह

गुरुग्राम में गैस उपभोक्ताओं का डेटा लीक

वाहक के खाते से निकाले 75 हजार, बिल पेंडिंग का फर्जी नैसेज भेजा

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में गैस स्पलाई करने वाली प्रमुख कंपनी ह्यहरियाणा सिटी गैसह्क के ग्राहकों का डेटा लीक होकर साइबर ठगों के पास पहुंच गया है। जालसाज इस डेटा का इस्तेमाल कर सीधे उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों पर मैसेज भेज रहे हैं और बिल पेंडिंग या कनेक्शन इश्यू का बहाना बनाकर लाखों रुपये की ठगी कर रहे हैं। ताजा मामला द्वारा का एक्सप्रेसवे स्थित पोंश इंपीरियल गार्डन सोसाइटी में रहने वाले रिपल एस्टेट कारोबारी प्रमोद गुप्ता के साथ हुआ है। उन्होंने बताया कि उसका प्रीपेड कनेक्शन है, लेकिन उसके पास एक नंबर से कॉल आया, जब उन्होंने कॉल की तो दूसरी तरह से बताया गया कि आपके कनेक्शन में इश्यू है और आपको मामूली पेमेंट करनी पड़ेगी। जब उसने लिंक खोला, तो 13 रुपये पेंडिंग बताया गया। बिल पेमेंट करने की प्रक्रिया पूरी होते ही उसके अकाउंट से 75 हजार रुपये निकल गए। उन्होंने



फरीदाबाद में आर-पार की लड़ाई की चेतावनी, अब मुख्यमंत्री से होगी सीधी बात

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। नगर निगम सफाई कर्मचारियों की ओर से 2 सितंबर तक हड़ताल का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन अब बुधवार से हड़ताल को चार दिन और आगे बढ़ा दिया गया है। सफाई कर्मचारियों ने अब 6 सितंबर तक हड़ताल जारी रखने का फैसला लिया है। कर्मचारियों का कहना है कि सरकार की ओर से अभी तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया है, जिसके चलते हड़ताल की अवधि बढ़ाई गई है। सफाई कर्मचारियों के राज्य प्रधान नरेश शास्त्री ने बताया कि प्रदेशभर के सफाई कर्मचारी 6 अगस्त से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हैं। पहले कर्मचारियों ने सरकार को 2 सितंबर तक का समय दिया था। इस दौरान सरकार से कई बार मांगों को पूरा करने की अपील की गई, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसके बाद हड़ताल को चार दिन और बढ़ाकर 6 सितंबर तक करने का फैसला लिया गया है। सीएम से टेबल पर करेगे सीधे बातचीत नरेश



शास्त्री ने कहा कि अब सफाई कर्मचारी मुख्यमंत्री के साथ सीधे टेबल पर बैठकर बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ होने वाली वार्ता में कर्मचारियों की मांगों को रखा जाएगा और बातचीत के बाद ही हड़ताल समाप्त करने पर कोई फैसला जाएगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का मुद्दा विधानसभा में भी उठ चुका है। कांग्रेस की ओर से विधानसभा में सवाल उठाया गया था कि सफाई कर्मचारियों को नीति के तहत पक्का किया जाए। सरकार की ओर से जवाब दिया गया था कि यदि ऐसी कोई नीति है, जिसके आधार पर कर्मचारियों को पक्का किया जा सकता है, तो उस नीति को सामने लाया जाए। तीन साल तक काम करने वाले कर्मचारी को नियमित करने का प्रावधान इस पर नरेश शास्त्री ने कहा कि

पाया गया था। पुलिस ने अस्पताल से मेडिकल रिपोर्ट भी ली है। धनकोट पुलिस चौकी को सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों से जानकारी ली। बच्ची के पिता ने कार ड्राइवर रामलाल यादव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कार का बताया गया है। पुलिस ने शिकायत और शुरूआती जांच के आधार पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस हादसे के कारणों और कार ड्राइवर की भूमिका की जांच कर रही है। वहीं, बच्ची की मौत के बाद परिवार में दुख का माहौल है।

फरीदाबाद में यमुना में नहाने गए 2 दोस्त बहे

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जिले में यमुना में नहाने गए 2 दोस्तों के लिए मंगलवार शाम नदी का तेज बहाव जानलेवा साबित हुआ। पानी का बहाव बढ़ने से दोनों युवक अचानक अपना संतुलन खो बैठे और बहने लगे। एक युवक किसी तरह तैरकर किनारे पहुंच गया, लेकिन उसका दोस्त राजीव पानी के तेज बहाव में बह गया। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा। जानकारी के अनुसार राजीव अपने दोस्त पुष्पिंदर के साथ मंगलवार शाम यमुना में नहाने गया था। दोनों नदी में पहुंचे और पानी में उतर गए। इसी दौरान तेज बहाव की वजह से दोनों का संतुलन बिगड़ गया।



देखते ही देखते दोनों पानी के साथ बहने लगे। पुष्पिंदर ने हिमत्त दिखाते हुए किसी तरह खुद को संभाला और तैरकर नदी से बाहर निकल आया, जबकि राजीव बहाव की चपेट में आ गया। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राजीव की तलाश शुरू कराई। नदी में बहाव तेज होने के कारण तलाशी अभियान में परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और स्थानीय स्तर पर राजीव को खोजने के प्रयास किए जा रहे

हैं। शाहजहांपुर का रहने वाला है राजीव पुलिस के मुताबिक शाहजहांपुर का रहने वाला है। वह उत्तर प्रदेश के दिलहेरपुर में खेतों में मजदूरी का काम करता था। राजीव के नदी में बहने की सूचना मिलने के बाद उसके परिवार में चिंता का माहौल है। परिजन भी मौके पर पहुंच गए और उसकी सकुशल वापसी की उम्मीद लगाए हुए हैं। तेज बहाव के बावजूद नदी में उतर रहे लोग स्थानीय लोगों का कहना है कि यमुना में इन दिनों पानी का बहाव काफी तेज है। इसके बावजूद कई लोग नहाने के लिए नदी में उतर जाते हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि तेज बहाव वाले स्थानों पर पानी में जाने से बचें।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ नीचे दी गई समय—सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी—

04090/04089 नई दिल्ली – दानापुर – नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस				8 फरे	
रेलगाड़ी सं. 04090	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04089			
आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान		
----	23:30	-----	-----		
23:55	00:05	09:00	09:10		
00:48	00:50	08:15	08:17		
01:45	01:47	06:30	06:32		
02:50	02:52	05:08	05:10		
06:25	06:30	02:50	02:55		
08:55	09:05	00:05	00:15		
11:10	11:20	21:00	21:10		
12:30	12:32	17:50	17:52		
13:20	13:22	17:08	17:10		
15:00	----	-----	16:40		

चलने के दिन: **04090** नई दिल्ली से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 04.09.2026 से 25.09.2026 तक और **04089** दानापुर से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 05.09.2026 से 26.09.2026 तक

स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

04213/04214 अयोध्या कैंट – आनन्द विहार (ट.) – अयोध्या कैंट आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस

रेलगाड़ी सं. 04213	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04214			
आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान		
----	18:20	-----	21:35	-----	
19:48	19:50	19:30	19:32		
20:45	20:55	17:40	17:50		
00:55	00:57	13:13	13:15		
02:42	02:50	11:35	11:45		
04:08	04:10	09:38	09:40		
05:20	05:22	09:00	09:02		
06:10	----	-----	08:20		

चलने के दिन: **04213** अयोध्या कैंट से दिनांक 03.09.2026 (गुरुवार) को और **04214** आनन्द विहार (ट.) से दिनांक 04.09.2026 (शुक्रवार) को।

स्थान: 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य।

04217/04218 वाराणसी – आनन्द विहार (ट.) – वाराणसी आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस

रेलगाड़ी सं. 04217	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04218			
आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान		
----	15:40	-----	00:25	-----	
17:25	17:30	21:45	21:50		
18:50	18:52	20:15	20:20		
20:55	21:05	18:30	18:40		
01:08	01:10	13:28	13:30		
03:00	03:10	12:00	12:10		
04:28	04:30	09:53	09:55		
06:05	06:07	09:15	09:17		
07:10	----	-----	08:30		

चलने के दिन: **04217** वाराणसी से दिनांक 03.09.2026 (गुरुवार) को और **04218** आनन्द विहार (ट.) से दिनांक 04.09.2026 (शुक्रवार) को।

स्थान: 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलवे पृष्ठताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139**

रेलमदद वेबसाइट देखें:— www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
www.nr.indianrailways.gov.in पर जाएं

आहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे ई-नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ माल भाड़ा, दिल्ली डिवीजन, उत्तर रेलवे, रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022/टीसी (एफएम)/10/04 दिनांक 13.06.2022 और रेलवे बोर्ड के पत्र सं 2024/RS (G)/7797 (E3471089) दिनांक 13.08.2024, के अनुसार दिल्ली मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों में एसएलआर कम्पाटमेंट और पार्सल वान (राउंड ट्रिप के आधार पर) के स्थान को 03 वर्षों के पट्टे पर देने के लिए आइआईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलीयां आमंत्रित की जाती है:

ई-नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	एस्सेडस जिनकी नीलामी की जानी है
07.09.2026 at 10:30 बजे	12005(F1), 12011(F1), 12013(F1), 12015(F1), 12034(F1), 12045(F1), 12156 (R1) (बुध, शुक्र), 12270(F1,R1), 12276(F1), 12304(F1), 12428 (F1), 12438 (F1), 12481(F1,R1), 12780(R1) (बुध, शुक्र), 12804 (R1), (रवि, बुध), 12916(R1) (बुध, शुक्र), 22182(R1), 22488(F1).
08.09.2026 at 10:30 बजे	12017(F1), 12040(F1), 12055(F1), 12207 (F1), 12282 (F1), 12310 (F1), 12444(F1), 12448 (F1), 12455 (F1), 12528 (F1, R1), 13252 (F1), 14152 (F1), 14212(F1), 15530(F1), 15622(F1), 20452 (F1), 22168 (F1), 22210 (F1), 22406 (R1).
10.09.2026 at 10:30 बजे	12060(F1), 12265(F1), 12596(F1), 12918(F1), 14014(F1), 14056 (R1), 14164 (F1), 14341 (F1), 14679(F1), 14681 (F1, R1), 15035 (F1, F2, R1), 15280(F1), 19404(F1, R1), 22404(F1), 22428(F1), 22950(F1).
11.09.2026 at 10:30 बजे	12212 (F1), 12394 (F1), 12457(F1, F2, R1), 12963 (F1), 14303 (F1,F2,R1), 15134 (F1), 15304 (F1,F2,R1), 20473 (R1), 22429 (F1), 22438 (F1, R1), 22472(F1), 22542(F1,R1).
15.09.2026 at 10:30 बजे	12436(F1), 12986(F1), 14331(F1,F2,R1), 14507 (

महंगाई पर हाहाकार, सरकार का दावा कुछ और

सितंबर का महीना आते ही देश में पर्व-त्योहारों की शुरूआत भी हो जाती है। रक्षाबंधन तो महंगाई के बीच किसी तरह बीत गया। लेकिन अब गणेश चतुर्थी, तीज, नवरात्रि, करवा चौथ, दशहरा, दीपावली सारे अहम पर्व त्योहार लोगों को मनाने हैं। सवाल यही है कि जिस तेजी से महंगाई बढ़ी है, क्या उसके बाद त्योहारों की खुशियों पर आम आदमी का कुछ हक बचेगा, या त्योहार भी अब केवल अमीरों के लिए रहेंगे। क्योंकि इस बार सितंबर की शुरूआत होते ही महंगाई का चौरफा वार भी शुरू हो गया है। ऊपर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहत के दो बोल कहने की जगह किर्गिस्तान में बैठकर प्रवचन दे रहे हैं कि लोग विदेश यात्रा न करें, सोना न खरीदें, स्थानीय उत्पाद खरीदें। पाठक जानते हैं कि किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की शीर्ष बैठक में शामिल होने के लिए नरेंद्र मोदी गए हुए हैं। किर्गिस्तान से पहले वे उज्बेकिस्तान पहुंचे। लोग विदेश यात्रा न करें, ऐसी अपील करने से पहले मोदी थोड़ा इंतजार कर लेते कि खुद देश लौट आए। लेकिन उन्हें अब इन सबकी कोई परवाह ही नहीं है। इस साल अब तक नरेंद्र मोदी कम से कम 15 देशों की यात्रा कर चुके हैं। जब प.एशिया में अमेरिका और इराक़राल की युद्ध नीति के कारण संकट बढ़ा और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा का संकट गहराया, तब भी नरेंद्र मोदी ने यही अपील की थी कि लोग सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें, विदेश न जाएं, सोना न खरीदें। हालांकि ऐसे उपदेश देकर वो खुद विदेश दौरे पर निकल गए थे और लोगों को चिढ़ाने के लिए इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी भेंट कर रहे थे। नरेंद्र मोदी ग्लोबल की जगह लोकल यानी स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का ज्ञान भी जनता को बांटते-फिरते हैं, लेकिन खुरद उनके चश्मे, जूते, घड़ियां, गड़ियां सब विदेशी रहते हैं। हर किसी के लिए गांधी बनना मुमकिन नहीं है कि आश्रम में रहें और अपने हाथ से काते हुए सूत के कपड़े पहनें। लेकिन गांधीजी किसी को ज्ञान नहीं देते थे, वो अपने जीवन में जिन मूल्यों पर यकीन रखते थे, उन्हें अनाते थे, बाकी लोग उनका अनुसरण करते थे। लेकिन नरेंद्र मोदी सारा त्याग और समर्पण लोगों से मांगते हैं और खुद विदेशों में घूम रहे हैं। इस समय देश में महंगाई से लेकर शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी जैसे कई मुद्दों पर हाहाकार मचा है। लेकिन नरेंद्र मोदी ने मौलवावर को फिर से एक इंस्टाग्राम रील बनाकर कहा है कि देश खुशियों से भर गया है। दरअसल सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो के साथ लिखा 7.8 फीसदी की वृद्धि, मजबूत आंकड़े और उससे भी मजबूत भरोसा। प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि दुनिया युद्ध, संकट, सर्लाई चैन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके बाद उन्होंने वोकल फॉर लोकल विदेश यात्रा करने से बचना चाहिए, सोना खरीदने से भी बचना चाहिए जैसा ज्ञान दिया। इस वीडियो में झूठ की गुंज और निराशा फैलाने वालों का जिक्र मोदी ने किया, जो साफ तौर पर राहुल गांधी के युवाओं से जुड़े छात्रों की गुंज अभियान पर सीधा हमला है। मतलब अगर खुशी का मौका रहे, फिर भी नरेन्द्र मोदी राहुल गांधी को कोसे बिना नहीं रह सकते, यह जाहिर हो गया। हालांकि इस जीडीपी वृद्धि की सच्चाई कुछ और ही है। देश में दूध-चीनी से लेकर प्याज और अंडे तक की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। ऊपर से तेल महंगा होने के बाद सामानों की आवाजाही भी महंगी होगी। 1 सितंबर से जेट फ्यूल भी महंगा हो गया है। घरेलू एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी की गई है, जिसमें रुपए 6.28 प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। अब एटीएफ रुपए 115.00 से बढ़कर रुपए 121.28 प्रति लीटर हो गया है। इधर 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमत भी रुपए 762 से बढ़कर रुपए 764 हुई। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की गई। चीनी 56 से लेकर 62 रुपये तक आ गई है। दूध की कीमत अब रुपए 93 से सीधे 102 पहुंच गई है। 9 किलो वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर भी महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत में 9.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब यह 2747.50 रुपये में मिलेगा। कुछ दिन पहले सीएनजी की कीमत करीब 4 रुपये बढ़ी थी। यानी एक तरफ महंगाई से आम जनता को राहत नहीं है, बल्कि शिकंजा और कस चुका है, वहीं नरेन्द्र मोदी बता रहे हैं कि देश में खुशियां हैं। असल में मोदी जमीनी हकीकत से बिल्कुल अनजान हैं।

कौशल मिलेगा, रोजगार कहां मिलेगा ?

अरुण कुमार डनायक

भारत में केवल 8.26प्रतिशत स्नातक ही अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार में हैं, बीए, बीएससी और बीकॉम जैसे सामान्य पाठ्यक्रमों के दो करोड़ विद्यार्थी शिक्षा और रोजगार के बीच गहरे बेमेल का सामना कर रहे हैं। विद्यार्थी प्रायः सामाजिक प्रतिष्ठा, स्थिर वेतन, सुरक्षित भविष्य जैसी वजहों से सरकारी नौकरी की पात्रता हेतु डिग्री को प्राथमिकता देते हैं। सरकारी नौकरी को सम्मानजनक और स्थायी माना जाता है। विकसित भारत ३2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए नीति आयोग ने कौशल विकास को पुनर्व्यवस्थित करने की पहल की है। विगत बारह वर्षों में 7.67 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। केंद्र सरकार ने कौशल विकास पर गत वर्ष 34,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। लेकिन राज्यों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के योगदान के बावजूद परिणाम असमान बने हुए हैं। अध्ययन ने स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, औपचारिक एवं अनौपचारिक रोजगार, शिक्षा-रोजगार-प्रशिक्षण से बाहर के युवा और महिलाओं को शामिल करते हुए लगभग 60 करोड़ नागरिकों को अपने दायरे में लिया है। भारत में केवल 8.26प्रतिशत स्नातक ही अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार में हैं, बीए, बीएससी और बीकॉम जैसे सामान्य पाठ्यक्रमों के दो करोड़ विद्यार्थी शिक्षा और रोजगार के बीच गहरे बेमेल का सामना कर रहे हैं। विद्यार्थी प्रायः सामाजिक प्रतिष्ठा, स्थिर वेतन, सुरक्षित भविष्य जैसी वजहों से सरकारी नौकरी की पात्रता हेतु डिग्री को प्राथमिकता देते हैं। सरकारी नौकरी को सम्मानजनक और स्थायी माना जाता है, इसलिए व्यावसायिक तथा ऑनलाइन शिक्षा पर उनका भरोसा अपेक्षाकृत कम है। ऐसे में सवाल है—नई कोशल व्यवस्था इस बेमेल को दूर करेगी या डिग्रियों के ऊपर कौशल प्रमाणपत्रों की एक और परत जोड़ देगी? अध्ययन के अनुसार मौजूदा व्यवस्था की प्रमुख कमियों में निश्चयनीय करियर मार्गदर्शन का अभाव, स्कूलों में कौशल शिक्षा का सीमित प्रसार, उच्च शिक्षा का उद्योग और ऑप्रेंटिसशिप से कमजोर जुड़ाव तथा अनौपचारिक कामगारों के लिए प्रशिक्षण की लागत और समय जैसी बाधाएं शामिल हैं। काफी हद तक सैद्धांतिक शिक्षण-प्रशिक्षण का कार्यस्थल की जरूरतों से पर्याप्त मेल नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में व्यावसायिक शिक्षा और रोजगारपरक कौशल का प्रावधान है, पर क्रियान्वयन सीमित है। इसलिए स्कूल स्तर से कौशल शिक्षा, उद्योग की भागीदारी और अप्रेंटिसशिप को रोजगार व आय से जोड़ना जरूरी है। नीति आयोग का सुझाव है कि कक्षा 6 से रोजगारपरक कौशल और कक्षा 9 से हक्कोशल ट्रेकिंग शुरू हों, जिन्हें स्कूलों की क्षमता और संसाधनों के अनुसार राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क से औपचारिक शिक्षा से जोड़ा जाय। उच्च शिक्षा में सामान्य डिग्रियों के बजाय उद्योग आधारित विशेषज्ञता, अप्रेंटिसशिप आधारित डिग्री और ह्यसीखते हुए कामांडे जैसे विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही उद्योग-शिक्षण संस्थानों की भागीदारी, कम अवधि के मांड्यूल तथा लचीली प्रवेश-निकास व्यवस्था विकसित की जाये। नीति आयोग ने कौशल प्रशिक्षण को बदलती रोजगार मांग से जोड़ने पर जोर दिया है—हरित उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन और उभरते क्षेत्रों के लिए नए कौशल तथा घटते क्षेत्रों में पुनः कौशल विकास की आवश्यकता बताई है। शिक्षा और रोजगार के बीच फुल बनाने हेतु अप्रेंटिसशिप, एमएसएमई की भागीदारी और करियर मार्गदर्शन को पूरी शिक्षा रोजगार यात्रा का हिस्सा बनाने की सिफारिश की गई है। डिजिटल स्किल पासपोर्ट और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क से शिक्षा, प्रशिक्षण और कार्य-अनुभव को जोड़ा जाए, जिससे पढ़ाई और रोजगार के बीच लचीला आवागमन संभव होगा और सीखना जीवनभर जारी रहे।

बहुत गहरी हैं दलित विरोधी मानसिकता की जड़ें

इसके बाद 11 अगस्त को उसी मंच पर श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास नाम के संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मंच पर गंगाजल छिड़का, उसकी सफाई की और हवन,यज्ञ किया। इसे शुद्धिकरण आयोजन का नाम दिया गया। इसके बाद कांग्रेस ने इसे दलित अपमान के रूप में मुद्घ बनाया। स्वयं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाते हुये भावुक होकर कहा कि इस शुद्धिकरण ने मुझे खुआसूत के डंक का अहसास कराया है और मेरा गहरा अपमान किया है। मैं एक दलित समाज से आता हूँ, इसलिए भाजपा विचारधारा के लोगों ने यह कृत्य किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी इसे सीधे तौर पर दलित समाज का अपमान और संविधान विरोधी मानसिकता करार दिया। राहुल गांधी ने आरोपियों के खिलाफ **sc/st** एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न शहरों व जिलों में कांग्रेस कार्यकताओं ने इस घटना के विरोध में जनकट प्रदर्शन किए और सचिवालय कूच किया। युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने दिल्ली के झंडेवालान स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।



निर्मल रानी

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

उत्तराखंड के हल्द्वानी राजलीला मैदान में गत 8 अगस्त को कांग्रेस पार्टी द्वारा विजय शंखनाद रैली का आयोजन किया गया था। इस रैली को मुख्य रूप से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया था। इसके बाद 11 अगस्त को उसी मंच पर श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास नाम के संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मंच पर गंगाजल छिड़का, उसकी सफाई की और हवन,यज्ञ किया। इसे शुद्धिकरण आयोजन का नाम दिया गया। इसके बाद कांग्रेस ने इसे दलित अपमान के रूप में मुद्दा बनाया। स्वयं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाते हुये भावुक होकर कहा कि इस शुद्धिकरण ने मुझे आश्चूत के डंक का अहसास कराया है और मेरा गहरा अपमान किया है। मैं एक दलित समाज से आता हूँ, इसलिए भाजपा विचारधारा के लोगों ने यह कृत्य किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी इसे सीधे तौर पर दलित समाज का अपमान और संविधान विरोधी मानसिकता करार दिया। राहुल गांधी ने

शुद्धिकरण को इस घटना को लेकर उपजा राजनीतिक विवाद।इस समय देश के सबसे बड़े राजनैतिक मुद्दों में से एक बन गया है। देश में इसतरह के कई ऐसे हाई प्रोफाइल मामले सार्वजनिक होते हैं जो संघ व भाजपा से जुड़े नेताओं की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करते रहते हैं। दलित कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकार भंवर मेघवंशी को ही देख लीजिये। उन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में 1987 में आरएसएस की शाखा में जाना शुरू किया था। मेघवंशी संगठन में भीलवाड़ा के जिला प्रमुख के पद तक पहुंचे और 1990 के राम जन्मभूमि आंदोलन में एक सक्रिय कारसेवक के रूप में भी भाग लिया। परन्तु ऐसे समर्पित स्वयंसेवक को जातिगत भेदभाव के कारण हमेशा के लिए संघ से नाता तोड़ना पड़ा। संघ छोड़ने के मुख्य कारणों को उन्होंने अपनी चर्चित आत्मकथा में एक कारसेवक भाव में बयान किया है। उन्होंने लिखा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान जब संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी उनके गृह जिले भीलवाड़ा (राजस्थान) आए, तो उन्होंने बड़े उत्साह से अपने घर पर भोजन तैयार

नैरेटिव - सकारात्मक को ढककर नकारात्मक को चमकाने की कला

हा धारणा बनाने की एक ऐसी कला है, जिसमें किसी व्यक्ति की खूबियों को पृष्ठभूमि में धकेलकर उसकी कमियों, विवादों या छेटी घटनाओं को इतना बड़ा बना दिया जाता है कि धीरे-धीरे वही उसकी पूरी पहचान बन जाती है। राजनीति में यह कला जिसको आ गई, वह किसी भी व्यक्तित्व की तस्वीर को 360 डिग्री तक बदल सकता है। कल तक जो व्यक्ति सक्षम, लोकप्रिय और निर्णायक माना जाता था, उसे कुछ ही समय में असफल, विवादस्पद या जनविरोधी बताने का वातावरण तैयार किया जा सकता है। इसके लिए हमेशा विरोधियों की जरूरत नहीं होती है। कई बार अपने लोग ही इस खेल के सबसे प्रभावी खिलाड़ी बन जाते हैं और मीडिया उसका मंच। यह कोई आज की उपज नहीं है। भारतीय राजनीति में इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले नैरेटिव बनाने में अखबार, रेडियो और टेलीविजन की भूमिका प्रमुख थी, जबकि आज सोशल मीडिया ने इसकी गति और पहुंच दोनों को कई गुना बढ़ा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उदाहरण आज भी राजनीतिक नैरेटिव के प्रभाव को समझने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।



जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

अंग्रेजी का एक शब्द है नैरेटिव। सामान्य अर्थ में इसका मतलब किसी घटना, व्यक्ति या परिस्थिति को एक खास दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने वाली कहानी या विमर्श से है। लेकिन राजनीति में नैरेटिव केवल कहानी नहीं होता है। यह धारणा बनाने की एक ऐसी कला है, जिसमें किसी व्यक्ति की खूबियों को पृष्ठभूमि में धकेलकर उसकी कमियों, विवादों या छेटी घटनाओं को इतना बड़ा बना दिया जाता है कि धीरे-धीरे वही उसकी पूरी पहचान बन जाती है। राजनीति में यह कला जिसको आ गई, वह किसी भी व्यक्तित्व की तस्वीर को 360 डिग्री तक बदल सकता है। कल तक जो व्यक्ति सक्षम, लोकप्रिय और निर्णायक माना जाता था, उसे कुछ ही समय में असफल, विवादस्पद या जनविरोधी बताने का वातावरण तैयार किया जा सकता है। इसके लिए हमेशा विरोधियों की जरूरत नहीं होती है। कई बार अपने लोग ही इस खेल के सबसे प्रभावी खिलाड़ी बन जाते हैं और मीडिया उसका मंच। यह कोई आज की उपज नहीं है। भारतीय राजनीति में इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले नैरेटिव बनाने



मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने 9 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में केंद्र और उसके गृह मंत्री से एकसीआरए संशोधन बिल को वापस लेने और इसे और गहन विचार-विमर्श के लिए जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) को भेजने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने 6 अगस्त को नई दिल्ली में ईसाई समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ शाह से मुलाकात की थी और उन्हें अपनी व्तिताओं से अलगत करया था। पूर्वोत्तर भारत के ईसाई संगठन-जहां मिजोरम, नागलैंड और मेघालय जैसे तीन राज्यों में ईसाई आबादी बहुत

ज्यादा है- फॉरेन कंट्रीव्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट (एफसीआरए) बिल, 2026 के खिलाफ अपनी बात रखने के लिए आपस में बातचीत कर रहे हैं। हालात के दबाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इस बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा है। जेपीसी के लिए यह आम बात है कि वह अपनी राय तय करने से पहले सभी संबंधित पक्षों, जिनमें प्रभावित पक्ष भी शामिल हैं, की बातें सुने। सत्ता पक्ष ने

जेपीसी से संसद के मानसून सत्र में अपनी रिपोर्ट सौंपने का आग्रह किया था, परन्तु काम की गंभीरता और विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए, जेपीसी को अपनी रपट तैयार करने में देर हो रही है। इस बातचीत की प्रक्रिया में पूर्वोत्तर के कई चर्च काउंसिल और उनके मुख्य संगठन शामिल हैं।इनमें असम क्रिश्चियन फोरम, यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम ऑफ नॉर्थ-इस्ट इंडिया और नॉर्थ-इस्ट इंडिया क्रिश्चियन काउंसिल जैसे संगठन शामिल



करवाया। परन्तु संघ के वरिष्ठ ह्रस्वर्ण ह्वानेताओं ने उनके घर आकर भोजन करने से यह कहते हुये साफ इनकार कर दिया कि वे समय की कमी के कारण भोजन पैक करवाकर साथ ले जा रहे हैं। बाद में संघ के उन्हीं सर्वाण नेताओं ने उनके घर का बना वह भोजन खाया नहीं, बल्कि उसे एक नाली में फेंक दिया। इस घटना से उन्हें यह एहसास हुआ कि हिंदू राष्ट्र की बात करने वाले संगठन में आज भी छुआछूत और भेदभाव कायम है। उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव साँझ करते हुये लिखा कि आरएसएस के भीतर एक आंतरिक ब्राह्मणवादी पदानुक्रम काम करता है। दलित होने के कारण ही उन्हें संघ का प्रचारक बनने का दर्जा भी नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि संघ की शाखाओं और बौद्धिकों में अन्य धर्मों विशेषकर अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत का भाव भरा जाता है। उन्हें लगने लगा कि संगठन समाज को जोड़ने के बजाय वैचारिक रूप से विभाजित कर रहा है, जो उनकी खुद की अंतरात्मा को स्वीकार नहीं था। उन्हें यह एहसास हुआ कि संघ में रहकर

जिस हिंदू राष्ट्र और समानता के दावे के लिए वे लड़ रहे थे, उसमें एक दलित के रूप में उनकी सामाजिक हैसियत को स्वीकार नहीं किया जा रहा था। इन अपमानजनक घटनाओं और भेदभाव को इस तरह भी समझा जा सकता है कि गाँवों और अर्ध-शहरी इलाकों में दलितों ने उनके घर का बना वह भोजन खाया नहीं, बल्कि उसे एक नाली में फेंक दिया। इस घटना से उन्हें यह एहसास हुआ कि हिंदू राष्ट्र की बात करने वाले संगठन में आज भी छुआछूत और भेदभाव कायम है। उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव साँझ करते हुये लिखा कि आरएसएस के भीतर एक आंतरिक ब्राह्मणवादी पदानुक्रम काम करता है। दलित होने के कारण ही उन्हें संघ का प्रचारक बनने का दर्जा भी नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि संघ की शाखाओं और बौद्धिकों में अन्य धर्मों विशेषकर अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत का भाव भरा जाता है। उन्हें लगने लगा कि संगठन समाज को जोड़ने के बजाय वैचारिक रूप से विभाजित कर रहा है, जो उनकी खुद की अंतरात्मा को स्वीकार नहीं था। उन्हें यह एहसास हुआ कि संघ में रहकर

उनके द्वारा बनाए गए भोजन को सर्वाण बच्चों द्वारा न खाने, या उन्हें अलग बर्तनों में खाना देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार दलित छात्रों को पढ़ाई के बजाय स्कूल या कॉलेज के शौचालय और परिसर साफ करने के लिए मजबूर किया जाता है। आईआईटी,एम्स, और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरो या सहपाठियों द्वारा योग्यता पर सवाल उठाने और जातिसूचक टिप्पणियों के कारण कई मेधावी दलित छात्रों की आत्महत्या तक के लिए मजबूर होना पड़ा है। दलित महिलाएं लैंगिक और जातिगत दोनों स्तरों पर दोहरे शोषण का शिकार होती हैं। हाथरस और खेरलांजी जैसी ऐतिहासिक और भयावह घटनाओं से लेकर रोजमर्रा की अनेक घटनाओं तक, दलित महिलाओं को डराने, दबाने और पूरे दलित समुदाय को सबक सिखाने के लिए यौन हिंसा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। आम मामलों की तुलना में दलित महिलाओं के साथ हुए यौन अपराधों में दोषियों को सजा मिलने की दर बेहद कम अर्थात करीब 2% से भी कम रहती है।



से जुड़े विवादों का सीधा संबंध किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से होता है। ऐसे मामलों ने राज्यों के बीच सहमति बनाना आसान नहीं होता। इसलिए यदि लंबे समय से अटका कोई विषय आगे बढ़ता है तो उसकी राजनीतिक चमक से अधिक उसका दीर्घकालिक महत्व समझना चाहिए। लेकिन नैरेटिव की में मुख्यमंत्री से सवाल होना चाहिए। सरकार की आलोचना भी होनी चाहिए। विपक्ष को सरकार की कमियां उजागर करनी चाहिए और मीडिया को भी सत्ता से कटिन सवाल पूछने चाहिए। लेकिन सवाल तब उठता है जब सरकार के कार्यों का मूल्यंकन संतुलित तरीके से न होकर पहले से तय धारणा के आधार पर होने लगे। मुख्यमंत्री के कई ऐसे फैसले और पहल हैं, जिनका प्रभाव तत्काल सुर्खियों में भले दिखाई न दे, लेकिन उनका महत्व आने वाले समय में महसूस किया जा सकता है। बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे विवाद का एक समाधान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है। करीब ढाई दशक से अधिक समय से लंबित विषय का समाधान केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है। नदी, जल और सिंचाई

के साथ मिलकर शिक्षा, चिकित्सा और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने जैसे कल्याणकारी कार्यों में करने वाले सिविल सोसाइटी संगठनों (सीएसओ) को बहुत ज्यादा नियंत्रित करने पर तुले हों, फिर भी लोगों के बीच सीएसओ के महत्व को लेकर आम सहमति है। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाओं के समय, अक्सर सीएसओ ही सबसे पहले और दूसरे स्तर पर मदद करने वालों के तौर पर काम करते हैं और पीड़ितों के लिए भोजन और आश्रय का इंतजाम करते हैं। 2026 के एफसीआरए (संशोधन) विधेयक से पहले, नई दिल्ली ने 2020 में एफसीआरए में संशोधन पास कराए थे। इन संशोधनों के तहत, किसी

रजिस्टर्ड संस्था के लिए किसी दूसरी संस्था (भले ही वह उसी एक्ट के तहत रजिस्टर्ड हो) को धन हस्तांतरित करना मना कर दिया गया था। इसके अलावा, प्रशासन के काम में इस्तेमाल होने वाले विदेशी धन का हिस्सा 50 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया था। असम क्रिश्चियन फोरम और यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया के प्रवक्ता ने संवाद को बताया, यह बहुत बड़ी कटौती है, जिससे कामकाज को ठीक से चलाना मुश्किल हो जाता है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि कई के प्रशासनिक शाखा में कोई व्यक्ति अपनी जेब भरने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल कर सकता है।

बसपा प्रमुख मायावती कल करेंगी बैठक

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में तीन सितंबर (गुरुवार) को एक बड़ी बैठक बुलाई है। बुधवार को पार्टी कार्यालय से जारी पत्र के आधार पर यह बैठक पूर्वाह्न 11 बजे आयोजित होगी। इस बैठक में बसपा आल इण्डिया के सभी वरिष्ठ अधिकारी-पदाधिकारियों एवं विशिन्न राज्यों के अध्यक्ष और को-ऑर्डिनेटर शामिल होंगे। बसपा प्रमुख इस बैठक में पिछली बैठकों में जो कार्य पदाधिकारियों को सौंपे थे उसकी समीक्षा की करेंगी। इस बैठक में सभी को समय से पहुंचने के निर्देश दिये गए हैं।

बंधी में डूबी किशोरी का दूसरे दिन मिला शव

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के गुलाबपुर गांव में बाणसागर नहर के पास बंधी में डूबी 17 वर्षीय किशोरी आरती का शव बुधवार को दूसरे दिन बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोरी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। लहंजापुर चौकी क्षेत्र निवासी प्रेम नारायण की पुत्री आरती मंगलवार को बकरी चराने गई थी। पैर फिसलने से वह बंधी में गिर गई। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने पानी में शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पांडेय और चौकी प्रभारी गुरु प्रसाद सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार मौत डूबने से हुई है। ग्रामीणों ने नहर किनारे सुरक्षा फेंसिंग और अन्य इंतजाम कराने की मांग की है।

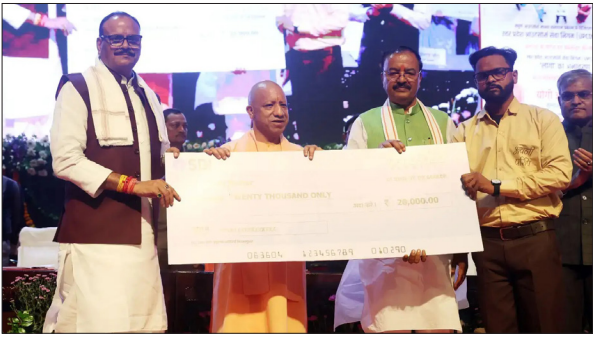
बारिश का कहर: कच्चे मकान गिरने से दो वृद्ध महिलाओं की मौत
मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश अब लोगों के लिए मुसीबत के साथ जान का खतरा भी बन गई है। बुधवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कच्चे मकान और दीवार गिरने से दो वृद्ध महिलाओं की मलमों में दबकर मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद परिवारों में कोहराम मच गया, जबकि ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल है। हलिया विकासखंड के सोडियाकाला गांव की सेमरिया बस्ती में बुधवार दोपहर बारिश के दौरान कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान के अंदर बैठी 75 वर्षीय सुभाणी देवी पत्नी गम्भीरा पाल मलबे में दब गई। मकान गिरने की कार्रवाई की। परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम कराने से इनकार करने पर शव अंतिम संस्कार के लिए उन्हें सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव ने घटना की पुष्टि की है। अदलहाट में दीवार ढहने से महिला की मौत दूसरी घटना अदलहाट थाना क्षेत्र के अशरफाबाद मोहल्ले के खिरौड़ी में हुई। बुधवार सुबह करीब पांच बजे बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवार अचानक ढह गई। इसकी चपेट में आने से करीब 70 वर्षीय कुमारी देवी पत्नी रामचंद्र की मौत पर ही मौत हो गई। लगातार बारिश से जिले के ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों के गिरने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जर्जर मकानों का सर्वे कराकर जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रयागराज से चलने वाली विशेष ट्रेनों में बहीं अतिरिक्त बर्थ, यात्रियों को राहत
प्रयागराज। यात्रियों को अधिक सीट उपलब्ध कराने तथा प्रतीक्षासूची कम करने के लिए रेलवे ने प्रयागराज से चलने वाली दो विशेष ट्रेनों में एक-एक स्लीपर कोच बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही परिचालन संबंधी कारणों से प्रयागराज-विशाखापट्टनम-प्रयागराज साप्ताहिक विशेष ट्रेन के निर्धारित फेरे निरस्त किए गए हैं। यह जानकारी बुधवार को उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने दी। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 04113 प्रयागराज-एसएसएस दुब्बल्ल्ली विशेष ट्रेन में पांच सितंबर से एक अतिरिक्त स्लीपर कोच जोड़ा जाएगा। इससे ट्रेन में कोचों की संख्या 22 से बढ़कर 23 हो जाएगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04114 एसएसएस दुब्बल्ल्ली-प्रयागराज विशेष ट्रेन में यह बदलाव आठ सितंबर से प्रभावी होगा। इसी तरह गाड़ी संख्या 04119 सुबेदारगंज-वलसाड विशेष ट्रेन में पांच सितंबर से एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाया जाएगा। इससे इसके कोचों की संख्या 19 से बढ़कर 20 हो जाएगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04120 वलसाड-सुबेदारगंज विशेष ट्रेन में यह बदलाव छह सितंबर से लागू होगा।

आउटसोर्स कर्मियों को बड़ी सौगात, नियोक्ता नहीं कर पाएंगे शोषण और अन्याय

प्रातः किरण संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश के लगभग लगभग पांच लाख आउटसोर्स कार्मिकों को बड़ी सौगात दी है। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन के बाद अब नियोक्ता द्वारा न आउटसोर्स कर्मियों का शोषण हो जाएगा और न ही उनके साथ अन्याय हो जाएगा। पहली बार सम्मानजनक मानदेय सुनिश्चित हुआ। इसके साथ ही इससे सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। पांच साल में रिवीजन होगा। साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया में नियोक्ता का मनमानापन भी नहीं चल जाएगा। **मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया यूपी कॉंस पोर्टल**
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी कॉंस पोर्टल व वेबसाइट की



लॉन्चिंग की। यूपी कॉंस पोर्टल से आउटसोर्स निगमकर्मियों को बड़ी सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके जरिए ऑनलाइन माध्यम से भर्ती व जॉइनिंग प्रक्रिया की जानकारी सभी मिलेगी। समय पर मानदेय व सरकारी लाभ के साथ ही आउटसोर्स कर्मियों की पूरी जानकारी एक जगह मिलेगी।

इससे उपस्थिति की सटीक जानकारी व छुट्टी का प्रबंधन भी को बड़ी सुविधाएं मिलेंगी। यहां शिकायत और समाधान की भी सुविधा होगी। समय पर ईपीएफ अंशदान व ईएसआईसी का लाभ सुनिश्चित होगा। पोर्टल पर विभाग, एजेंसी और आउटसोर्सकर्मियों के लिए एक ही मंच होगा।

स्वाइन फ्लू की रोकथाम और बचाव को लेकर मेडिकल कॉलेज में अभियान तेज

प्रातः किरण संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय जौनपुर में स्वाइन फ्लू/इन्फ्लुएंजा की रोकथाम और बचाव को लेकर जनजागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। शासन के दिशा-निर्देशों के तहत मेडिकल कॉलेज, पीएचसी रसूलाबाद समेत विभिन्न स्थानों पर पोस्टर, बैनर और अन्य माध्यमों से लोगों को संक्रमण के लक्षण, बचाव और समय पर



चिकित्सकीय परामर्श लेने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस मामले में बुधवार को जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. आरबी कमल ने कहा कि स्वाइन फ्लू/इन्फ्लुएंजा एक वायरल संक्रमण है और अधिकांश मामलों में उचित देखभाल से मरीज

स्वस्थ हो जाते हैं। इसलिए घबराने के बजाय सावधानी बरतना जरूरी है। सर्दी, खांसी, गले में खराश, बुखार या शरीर में दर्द जैसे लक्षण होने पर आराम करने, पर्याप्त तरल पदार्थ लेने, मास्क का इस्तेमाल करने और हाथों की नियमित सफाई की सलाह दी गई है। उन्होंने अपुष्ट सूचनाओं से बचने और पंजीकृत चिकित्सक से ही परामर्श लेने की अपील की।मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. एंज जाफरी ने बताया कि संभावित मामलों को देखते हुए अस्पताल में आवश्यक तैयारियां की

जा रही हैं। दवाओं, जांच सुविधाओं, चिकित्सा सामग्री और जरूरी उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। फ्लू जैसे लक्षण वाले मरीजों की जांच और उपचार के लिए फ्लू क्लिनिक की व्यवस्था की जा रही है।कम्यूनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि अभियान का उद्देश्य संक्रमण की शीघ्र पहचान और बचाव के प्रति लोगों की जागरूक करना है।

प्रातः किरण संवाददाता

मीरजापुर। हासिले मजबूत हों तो अभाव भी मंजिल की राह नहीं रोक सकते। सीखड़ की अर्चना निषाद ने अपनी मेहनत और जुनून से इस बात को सच साबित कर दिखाया है। संसाधनों की कमी के बावजूद गंगा की लहरों में तैराकी सीखने वाली अर्चना ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में पांच स्वर्ण पदक जीतकर न केवल अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, बल्कि पूरे क्षेत्र का मान भी बढ़ाया है। अब उसकी नजर ओलंपिक जैसी विश्वस्तरीय प्रतियोगिता में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने पर है। सीखड़ के ईश्वर पट्टी स्थित अपने ननिहाल में रहकर बीए अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रही अर्चना मूल रूप से मीरजापुर के गांगपुर की रहने वाली है।



गरीब परिवार में जन्मी अर्चना के पिता दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। बचपन से ही उसके नाना-नानी ने उसका पालन-पोषण किया। करीब दस वर्ष पहले गंगा किनारे

अकित बालियान हत्याकांड पर सीएम योगी का सख्त रुख, मंत्री ने परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

प्रातः किरण संवाददाता

लखनऊ/शामली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की अपराधियों के खिलाफ ज़ोरों लॉन्ग्रेस नीति के तहत शामली के अकित बालियान हत्याकांड में पुलिस कार्रवाई तेज हुई है। मुख्यमंत्री ने घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी क्रम में प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शामली के बंतीखेड़ा गांव पहुंचकर दिवंगत अकित बालियान के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। मंत्री ने परिवार

के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अकित बालियान की हत्या की घटना बेहद कष्टदायी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए और सरकार की स्पष्ट नीति है कि प्रदेश में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को संरक्षण नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि करीब पांच दिन पूर्व हरियाणा से आए शॉप शूटर द्वारा अकित बालियान की सरेंआम हत्या की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल संज्ञान लिया और अधिकारियों को प्रभावी

कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट संदेश है कि उत्तर प्रदेश में अपराध करके कोई भी व्यक्ति कानून से बच नहीं सकता। अपराधी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कार्रवाई में धायाल हुए दोनों आरोपी मंत्री ने बताया कि हत्याकांड में शामिल आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा पकड़े जाने के दौरान आरोपियों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी घायल हुए। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल सभी आरोपियों और किसी भी संभावित साजिशकर्ता के खिलाफ कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फरुखाबाद : गंगा का जल स्तर घटा, दुश्वारियां जस की तस

प्रातः किरण संवाददाता

फरुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फरुखाबाद जिले में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार गिरावट जारी है। बुधवार सुबह आठ बजे लोहिया सेतु पंचाल घाट पर गंगा का जलस्तर 136.65 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान 137.10 मीटर से 45 सेंटीमीटर नीचे है। हालांकि जलस्तर



अभी चेतावनी बिंदु 136.60 मीटर से पांच सेंटीमीटर ऊपर है। सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष की ओर से जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार

अहरौरा डैम को तीन गुना बारिश से लबाब मरा देख प्रमुख सचिव बोले अफवाहों पर ध्यान न दें

प्रातः किरण संवाददाता

मीरजापुर। जिले में इस वर्ष हुई रिकॉर्ड बारिश का असर जलाशयों पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले वर्षों की तुलना में इस बार तीन गुना से अधिक बारिश होने से अहरौरा डैम पहली बार पूरी तरह लबाब बन गया है। बुधवार को मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने पहुंचे उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इतनी अच्छी बारिश को मां विंध्यवासिनी की कृपा के रूप में देखा जा रहा है। प्रमुख सचिव ने कहा कि अहरौरा डैम इससे पहले कभी पूरी तरह नहीं भरा था, लेकिन इस वर्ष हुई अधिक बारिश के कारण

मुरादाबाद मण्डल /अमरोहा /बिजनौर /रामपुर

संसिंहन खबरें

तकनीकी खराबी से बीएसएफ भर्ती की परीक्षा 18 सितंबर को होगी दोबारा

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के चकरी थाना क्षेत्र अंतर्गत श्यामनगर स्थित एमडी इंफोटेक सेंटर में बुधवार को बीएसएफ हेड क्वार्टरबल मिनिस्ट्रियल भर्ती परीक्षा के दौरान कंप्यूटर सिस्टम में खराबी आ गई। परीक्षा शुरू होने के 10-15 मिनट बाद कई कंप्यूटर बंद हो गए। समस्या दूर नहीं होने पर अभ्यर्थियों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद केंद्र की तीनों पालियों की परीक्षा रद्द हुई। एडीसीपी पूर्वी शिवा सिंह ने बताया कि तंतकालीन खराबी के कारण अभ्यर्थियों को परेशानी हुई। मौके पर पहुंचकर उन्हें समझाया गया और उच्चाधिकारियों से बातचीत के बाद परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया गया। 13ब 18 सितंबर को परीक्षा दोबारा होगी। केंद्र पर 500 अभ्यर्थियों की तीन पालियों में परीक्षा होगी थी। अभ्यर्थियों के अनुसार, सुबह 7:30 बजे प्रवेश होना था, लेकिन 8:30 बजे प्रवेश शुरू हुआ। बारिश के कारण कुछ अभ्यर्थी भुग गए। परीक्षा शुरू होने के बाद सिस्टम बंद होने लगे। बिहार के भोजपुर निवासी शिव प्रकाश कुमार ने बताया कि पांच घंटे की यात्रा कर वह केंद्र पहुंचे थे। परीक्षा शुरू होने के 10-15 मिनट बाद उनका सिस्टम बंद हो गया। गोरखपुर निवासी अमरजीत यादव ने भी प्रवेश में देरी का आरोप लगाया। बीएसएफ में 1,752 पदों पर भर्ती के लिए जिले में चार केंद्र बनाए गए हैं।

औरैया में चार फीट पानी में होने से बत्ता प्रकट

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में कंचौसी क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश के बाद कंचौसी और आसपास के गांवों के निचले इलाकों में जलभराव से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं।डिकियापुर की नई बस्ती में ब्रजेश बॉधम और उनके दो भाइयों के परिवार के करीब 20 लोग सप्ताह भर से घरों के आसपास भरे करीब चार फीट पानी में फंसे हैं। घर में रखा राशन और सब्जियां खत्म होने से परिवारों के सामने खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलभराव की जानकारी होने के बावजूद ब्लॉक और तहसील प्रशासन की ओर से अब तक राहत सामग्री या जल निकासी की कोई ठोस व्यवस्था कराया गया। क्षेत्र में कई एकड़ धान की फसल पानी में डूबने से खराब हो रही है। कई रास्ते भी जलमग्न हैं, जिससे ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित है। बीडीओ सहार राजनारायण पांडेय ने बताया कि जल्द ही पीड़ित परिवारों को राशन उपलब्ध कराया जाएगा।

बिजनौर का चर्चित हत्याकांड: 8 साल बाद न्याय की जीत, कातिल राम सिंह को उम्रकैद

प्रातः किरण संवाददाता

बिजनौर। आठ साल पुराने चर्चित हत्याकांड व गृह-भेदन के मामले में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मुख्य अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी बिजनौर की अदालत ने उत्तर प्रदेश पुलिस के अभियान ह्वाऑपरेशन क्लिक्सनह् के तहत प्रस्तुत साक्ष्यों व प्रभावी पैरवी

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आउटसोर्स कार्मिकों के बड़े हुए पारिश्रमिक की घोषणा एवं उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के लोगों, वेबसाइट व पोर्टल के शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बिजनौर कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में किया गया। लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन की पहली शर्त संवेदनशीलता होती है। सरकार ने आउटसोर्स कार्मिकों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए बिचौलिया व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। अब प्रदेश के साढ़े तीन लाख से अधिक आउटसोर्स कार्मिक अकेले नहीं हैं, सरकार उनके साथ है।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि - अब प्रत्येक माह की 5 तारीख तक आउटसोर्स कार्मिकों को वेतन मिल जाएगा। वेतन से ईपीएफ व ईएसआई अंशदान नियमित

पेंशनर्स ने उठाई पुरानी पेंशन समेत कई मांगों, 29 सितंबर से 24 घंटे का धरना

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स संगठन जनपद शाखा बिजनौर की मासिक बैठक बुधवार को पुराना महिला चिकित्सालय, सिविल लाइन स्थित संगठन कार्यालय में हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शिव ज्ञान सिंह ने की तथा संचालन जिला मंत्री योगेश्वर ने किया। बैठक में 51 सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में वक्ताओं ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को प्रमुखता से उठाया। संगठन की ओर से पुरानी पेंशन को आठवें वेतन आयोग के दायरे में लाने की मांग की गई। वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिक्कजय सिंह ने वरिष्ठ पेंशनर्स को रेल कार्डों में 60 प्रतिशत छूट दिए जाने की मांग रखी। ओमवीर सिंह मलिक ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 65, 70 और



रूप से कटेगा और ईएसआई की धनराशि से आयुष्मान कार्ड की सुविधा दी जाएगी। आउटसोर्स एजेंसी के सर्विस चार्ज का भुगतान अब सरकार करेगी, यह राशि कार्मिकों के वेतन से नहीं कटेगी। सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू किया है, जिसके तहत कार्मिकों के बच्चों की पढ़ाई, इश्योरस की व्यवस्था होगी और 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा भी दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को जेल भेजा जाएगा और उनकी संपत्ति जब्त की जाएगी। यह ऐतिहासिक और

स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाने वाला कदम से आयुष्मान कार्ड की सुविधा दी जाएगी। आउटसोर्स एजेंसी के सर्विस चार्ज का भुगतान अब सरकार करेगी, यह राशि कार्मिकों के वेतन से नहीं कटेगी। सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू किया है, जिसके तहत कार्मिकों के बच्चों की पढ़ाई, इश्योरस की व्यवस्था होगी और 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा भी दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को जेल भेजा जाएगा और उनकी संपत्ति जब्त की जाएगी। यह ऐतिहासिक और



75 वर्ष की आयु पूरी करने पर पेंशन में पांच-पांच प्रतिशत वृद्धि किए जाने की मांग की। पीएम सिंह ने पेंशन को आयरक से मुक्त करने की मांग उठाई। जिला मंत्री योगेश्वर ने पेंशन के कम्प्लेशन की कटौती की अवधि को 10 वर्ष में पूर्ण मानने की मांग की। बैठक में महेंद्र सिंह मलिक, विजेंद्र सिंह राठी, शमशेर सिंह राठी, बृजेश सिंह, यशपाल सिंह, महेंद्र सिंह, लीलापत, सलामत हुसैन, विनोद मिश्रा, रामपाल सिंह अलावत और एसके मिश्रा संप्रेक्षक सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे 129

बिजनौर में वॉलीबॉल खिलाड़ी आर्यन गंगवाल का भव्य स्वागत, 51 हजार का इनाम

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। अंडर-17 विश्व वॉलीबॉल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर देश और जनपद का नाम रोशन करने वाले युवा खिलाड़ी आर्यन गंगवाल का आज नेहरू स्टेडियम, बिजनौर में भव्य स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि दोहा, कतर में 19 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक आयोजित अंडर-17 विश्व वॉलीबॉल चैंपियनशिप में आर्यन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया था। इसी उपलब्धि के उपलक्ष्य में जिला वॉलीबॉल संघ द्वारा यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि एडवोकेट मौसम भैया ने अपने वादे के अनुसार आर्यन गंगवाल को 51 हजार रुपये की धनराशि देकर सम्मानित किया। मौसम भैया ने पूर्व में सभी खिलाड़ियों से वादा किया



था कि जो भी खिलाड़ी नेशनल में मेडल लाएगा या इंटरनेशनल स्तर पर प्रतिभाग करके आएगा, उसे 51 हजार रुपये और अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। इस अवसर पर मंच से उन्होंने बड़ी घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कहा कि 3 महीने के अंदर नेहरू स्टेडियम में वॉलीबॉल का सिंथेटिक कोर्ट बनवाया जाएगा। साथ ही 15 दिन के अंदर सभी खेलों के खिलाड़ियों को खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। हांकी के खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से हांकी सामग्री

और किट उपलब्ध कराने की भी घोषणा की गई। कार्यक्रम में वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनुज त्यागी, उपाध्यक्ष ओमवीर राणा, सचिव अजीत तोमर, जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार, जिला सचिव तैराकी बी.पी. सिंह, हांकी में वॉलीबॉल का सिंथेटिक कोर्ट, जितेंद्र, विशाल सहित सभी खेलों के कोच मौजूद रहे। सभी ने आर्यन को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल खेल भविष्य की कामना की।

बिजनौर का चर्चित हत्याकांड: 8 साल बाद न्याय की जीत, कातिल राम सिंह को उम्रकैद

के आधार पर यह निर्णय दिया है। घटना 19 मई 2018 की है, जब थाना चांदपुर क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर एक महिला की नृशंस हत्या कर दी थी। इस संबंध में मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 347/2018 दर्ज कर तपतीश शुरू की थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने शाहजहापुर जिले के निवासी तीन आरोपियों—राम सिंह, खेम सिंह उर्फ

खिम्मा और बचराम उर्फ लीची के खिलाफ साक्ष्य जुटाकर न्यायालय में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया था। मामले में बिजनौर पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन विभाग द्वारा न्यायालय में सशक्त व प्रभावी पैरवी की गई। प्रस्तुत गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने अभियुक्त राम सिंह (पुत्र जिलोकी, निवासी ग्राम रावतपुर, थाना सिंधौली, शाहजहापुर) को

धारा 302/393/457 भादवि में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 50,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं, मामले के दो अन्य सह-अभियुक्तों खेम सिंह (निवासी ग्राम मिलकिया, शाहजहापुर) और बचराम (निवासी ग्राम ईशपुर, शाहजहापुर) को धारा 393/457 आईपीसी के तहत उनके द्वारा जेल में बिताई जा चुकी अवधि (कस्टडी पीरियड) की सजा से दंडित किया गया।

परिषद बिजनौर की अध्यक्ष इंद्रा सिंह ने इसे गौरवशाली क्षण बताते हुए कहा कि जनपद की समस्त नगर निकायों में 3104 आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 650 अकेले नगर पालिका बिजनौर में हैं। इन कार्मिकों के योगदान से ही नगर पालिका को प्रदेश में प्रथम और देश में 29वां स्थान प्राप्त हुआ था। जिलाधिकारी सड़कें सचमुच हलंदनह् तो नहीं, लेकिन हनुसासह् द्वारा जारी की गई हूंमल ग्रहह् की उबड़-खाबड़ तस्वीरों जैसी हबहू दिखने लगी हैं। जनता हैरान है कि बिना अंतरिक्ष सटल के ही उन्हें हर सुबह अपने काम धंधे पर जाते समय अंतरिक्ष यात्रा का हूंमोचंह् मिल रहा है। पुनाव के समय जो नेताजी हाथ जोड़कर हूंमड्डा मुक्त सड़कह् का नारा दे रहे थे, वे आजकल इसी सड़क पर अपनी लम्गरी गाड़ियों का सप्संशन चेक कराते हुए पाए जाते हैं।

स्थानीय लोगों को सलाह मशवरा करते हुए सुना गया कि दिल्ली-सहारनपुर मार्ग के जगह-जगह बने ह्वाऐतिहासिकह् गड्डों

महबूब अली के प्रयासों से अमरोहा में बनेंगे कई नए संपर्क मार्ग

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। विधानसभा क्षेत्र में सड़क संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री, लोक लेखा समिति उत्तर प्रदेश के सभापति महबूब अली के प्रयास लगातार जारी हैं। इसी क्रम में बुधवार को उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न मार्गों के नव निर्माण कार्यों की स्वीकृति दिलाई। सदर विधायक महबूब अली के प्रयासों से प्रतीत

योग साधना में अरुण सचदेवा ने बनाया रिकॉर्ड, सिंचाई विभाग का बढ़ाया मान

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर/धामपुर। उत्तर प्रदेश सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अफजलगढ़ सिंचाई खंड धामपुर में अधिशासी अभियंता के पद पर कार्यरत अरुण सचदेवा ने योग साधना के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने पद्मासन में लंबे समय तक रहते हुए विभिन्न वैरिएशन का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड दर्ज कराया है। अरुण सचदेवा का नाम 2 जुलाई 2026 को नोएडा में इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड तथा 17 जुलाई 2026 को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रमाणपत्र के अनुसार उन्होंने हॉलॉनोस्ट टाइम टू होल्ड पद्मासन वाइल परफॉर्मिंग मैक्सिमम नंबर ऑफ पद्मासन वैरिएण्सह् श्रेणी में 1 घंटा 25 मिनट 5 सेकेंड तक

लोनी में प्रशासन और नेताओं के वादों को उजागर करते शिदत से निभाए गए उनके वादे

प्रातः किरण सुशील शर्मा

लोनी। स्थानीय नेताओं ने वादा किया था कि वे लोनी को लंदन जैसा बना देंगे। प्रशासन और नेताओं ने मिलकर इस वादे को इतनी शिदत से निभाया कि आज हमारी सड़कें सचमुच हलंदनह् तो नहीं, लेकिन हनुसासह् द्वारा जारी की गई हूंमल ग्रहह् की उबड़-खाबड़ तस्वीरों जैसी हबहू दिखने लगी हैं। जनता हैरान है कि बिना अंतरिक्ष सटल के ही उन्हें हर सुबह अपने काम धंधे पर जाते समय अंतरिक्ष यात्रा का हूंमोचंह् मिल रहा है। पुनाव के समय जो नेताजी हाथ जोड़कर हूंमड्डा मुक्त सड़कह् का नारा दे रहे थे, वे आजकल इसी सड़क पर अपनी लम्गरी गाड़ियों का सप्संशन चेक कराते हुए पाए जाते हैं।

स्थानीय लोगों को सलाह मशवरा करते हुए सुना गया कि दिल्ली-सहारनपुर मार्ग के जगह-जगह बने ह्वाऐतिहासिकह् गड्डों

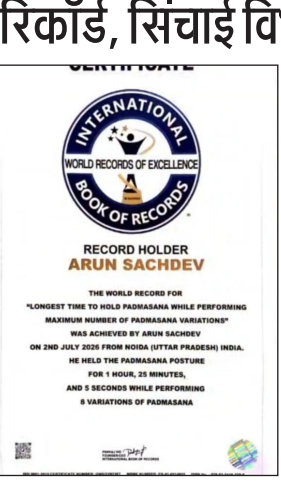


व नाले जैसा रूप धारण कर चुकी सड़क के निकट वहां एक तख्ती लगा दी जाए-हूनेताजी के वादों का स्पेशल रिविमिंग पुलह्। बुजुर्गों का कहना है कि विगत महीने लोनी बॉर्डर पर एक कार्यक्रम के दौरान इस मार्ग निर्माण के उद्घाटन का ऐसा चमकरी नारियल फूटा था कि पूरी सड़क ही फूट गई। उसके बाद से सारे दावे ऐसे गायब हुए जैसे सड़क से डामर गायब हो जाता है। वादों का डामर और दावों का मेटेरियल नेताओं के सोशल मीडिया हैडल पर जो शानदार मकहता है, जमीन पर आते ही वह दर्द, गन्म और क्लू में बदल जाता है। विपक्ष का आरोप है कि इस सड़क को बनाने का जितना बजट है, उससे ज्यादा का डामर तो नेताजी के भाषणों में इस्तेमाल हो चुका है।



खंड, लोक निर्माण विभाग द्वारा चक बढौनिया से हैबतपुर सलारपुर संपर्क मार्ग, ग्राम हरियाना से मीरपुर मार्ग

तथा सलामतपुर जोजखेड़ा मार्ग पर जोगिन्द्र सिंह के मकान से इकौदा क्षेत्र के नव निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिलेगी। विधायक ने कहा कि लोक निर्माण विभाग में 8 से 10 नए निर्माण के मार्ग और स्वीकृत होने हैं, जिन्हें जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से इन मार्गों के निर्माण की मांग की



योगासन का प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पद्मासन की आठ वैरिएशन का प्रदर्शन किया। रिकॉर्ड प्रदर्शन के दौरान उन्होंने पूर्ण पद्मासन, अर्द्ध मत्स्येन्द्रासन, बद्ध पद्मासन, सुप पद्मासन, पश्चिमोत्तानासन, वज्रासन और ऊर्ध्व पद्मासन सहित विभिन्न

श्री मोती स्मृति इंस्टिट्यूट में आयोजित बैठक में संगठन विस्तार एवं आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा

कांग्रेस बृथ स्तर तक संगठन को करेगी मजबूत : संजीव आर्या

कांग्रेस कार्यकार्गियों को पुनावी तैयारी में गुटने का आह्वान

कार्यकताओं की मेहनत से कांग्रेस मजबूत होगी : संजीव आर्या

प्रातः किरण संवाददाता, इकरामुददीन मलिक

अमरोहा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी तथा पूर्व विधायक संजीव आर्या ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस बृथ स्तर तक संगठन में मजबूत करेगी। सक्रिय, मेहनती, ईमानदार और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी, जबकि निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी के बाद मंच के खंडित शुद्धिकरण की घटना निंदनीय है। उन्होंने भाजपा-आरएसएस पर चंदा चोरी के

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं की राह होगी सुगम और सुरक्षित

लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन समेत प्रमुख धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए योगी सरकार ने परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने 4 सितंबर को मनाए जाने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के महेश्वर बसों और बस स्टेशनों पर सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जम्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा, लीला स्थली वृंदावन और प्रमुख धार्मिक स्थल गोवर्धन में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचेंगे हैं। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन आदि प्रमुख धार्मिक स्थलों में कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था की दृष्टि से आवश्यक सतर्कता बरती जाए। बसों के संचालन के साथ-साथ बस स्टेशनों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। यात्री की सुरक्षा को लेकर कई सतर्क परिहारन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन सिंह ने सभी क्षेत्रीय और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को सतर्क रहने के लिए कहा है।

कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की संवाद बैठक को संबोधित करते हुए संजीव आर्या ने कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर पार्टी को मजबूत किया जाएगा। संजीव आर्या ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि हठद्वंदी में कांग्रेस अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड्गे की जलजभा के बाद मंच के खंडित शुद्धिकरण की घटना निंदनीय है। उन्होंने भाजपा-आरएसएस पर चंदा चोरी के

आउटसोर्स कर्मचारियों को अब मिलेगा पारदर्शी भर्ती और सामाजिक सुरक्षा का लाभ

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा।। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ स्थित लोक भवन से उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (वडउडर) का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण अमरोहा कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों, कर्मचारियों और आउटसोर्स कार्मिकों ने देखा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान वडउडर के लोगों का अनावरण करने के साथ ही निगम के पोर्टल एवं वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वडउडर के माध्यम से आउटसोर्स कर्मचारियों को भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। भर्ती राज्य सरकार की आरक्षण नीति के अनुरूप की जाएगी। रिक्तपदों से लेकर पोस्टिंग, उपस्थिति, वेतन, ग्रेच्युटी, बीमा और अन्य सेवा लाभों का डिजिटल प्रबंधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी पोर्टल पर अपनी सर्विस प्रोफाइल, बैंक खाते, उपस्थिति, वेतन एवं कटौती समेत अन्य सेवा संबंधी जानकारी देख सकेंगे। शिकायत भी



ऑनलाइन दर्ज कर उसकी प्रगति की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। कर्मचारियों का वेतन सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा तथा ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान नियमित रूप से जमा कराया जाएगा। किसी एजेंसी द्वारा वेतन से अनावश्यक कटौती नहीं की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश सहित वैधानिक सेवा लाभ दिए जाएंगे और किसी भी प्रकार का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी कर्मचारी को सेवा से हटाने की शक्ति भी संबंधित एजेंसी को पहले सरकार को सूचित करना होगा और मामले की जांच के बाद ही कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक के साथ हुए एमओयू के तहत कर्मचारियों को व्यापक वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं मिलेंगी।

जब भी जनता सवाल करती है, तो जवाब मिलता है- हूबिकास की बुनियाद खोदी जा रही है, थोड़ा सब्र रखें ह् अब जनता वह समझ नहीं पा रही कि वह बुनियाद खोदी जा रही है या उनके धैर्य की कब्र।

शिला-न्यास के पथरों से चलें बचकर सड़क निर्माण पूरा होता मिले या ना मिले, लेकिन शिलान्यास के पथर जरूर मिल जाएँगे। एक बाइक सवार ने गिरने-पड़ने हुए कहा, हूसाहब, रात के अंधेरे में सड़क के गड्डे तो दिखाई नहीं देते, लेकिन नेताजी के नाम का वह बड़ा सा पथर जरूर बाइक से टकरा जाता है। सड़क बने न बने, इन पथरों की मजबूती देखकर दिल खुश हो जाता है। हूचुनाव फिर नजदीक आ रहे हैं, और उम्मीद है कि नेताजी फिर से नए वादों का हानया डामरह् लेकर आएंगे। तब तक जनता अपनी रीढ़ की हड्डी का बीमा करवा रही है और नेताओं के पुराने भाषणों को याद करके गड्डों का मजा ले रही है।

जा रही थी। उनके प्रयासों से अमरोहा विधानसभा क्षेत्र में लगातार सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। श्री महबूब अली ने कहा कि नगर एवं देहात के विकास के लिए अच्छी सड़कें बेहद जरूरी हैं। सड़क संपर्क बेहतर होने से ग्रामीणों को आवागमन के साथ-साथ व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह जनता की समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास के लिए सदैव तत्पर हैं।

कहना है कि ह्द्योगः कर्मसु कौशलमह्, अर्थात् कर्मों में कुशलता और निपुणता ही योग है। किसी भी कार्य का पूरी तल्लीनता, समभाव और उत्कृष्टता के साथ करना ही वास्तविक योग है। उनके अनुसार नियमित योग साधना से व्यक्ति में अनुशासन, धैर्य, सहनशीलता, एकाग्रता और कर्तव्य के प्रति समर्पण की भावना विकसित होती है। योग साधना का प्रभाव उनके कार्य व्यवहार में भी दिखाई देता है। विभागीय दायित्वों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासन और संयम के लिए भी वह सहयोगियों के बीच पहचान रखते हैं। अरुण सचदेवा की इस उपलब्धि से सिंचाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह है। सरकारी सेवा की जिम्मेदारियों के साथ योग साधना में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ विभाग के लिए भी गौरव का विषय माना जा रहा है।

योगासन का प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पद्मासन की आठ वैरिएशन का प्रदर्शन किया। रिकॉर्ड प्रदर्शन के दौरान उन्होंने पूर्ण पद्मासन, अर्द्ध मत्स्येन्द्रासन, बद्ध पद्मासन, सुप पद्मासन, पश्चिमोत्तानासन, वज्रासन और ऊर्ध्व पद्मासन सहित विभिन्न

कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की संवाद बैठक को संबोधित करते हुए संजीव आर्या ने कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर पार्टी को मजबूत किया जाएगा। संजीव आर्या ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि हठद्वंदी में कांग्रेस अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड्गे की जलजभा के बाद मंच के खंडित शुद्धिकरण की घटना निंदनीय है। उन्होंने भाजपा-आरएसएस पर चंदा चोरी के

किए जा रहे हैं। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया ने की तथा संचालन जिला महासचिव राजकुमार अरुण ने किया। इस दौरान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संजीव आर्या का स्वागत किया और संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में एआईसीसी सदस्य सचिन चौधरी, एआईसीसी प्रवक्ता डॉ. मेराज हुसैन, मुरादाबाद जिलाध्यक्ष विनोद गुंवर, चौधरी सुखराज सिंह, हाजी खुर्शीद अलवर, सचिन चौहान, फैज आलम राईनी, अली इमाम रिक्वी, यासीर अंसारी, अमित कुमार सोनु, ओम प्रकाश पवार, वाहिद अली सैफी, सुविंद्र चौधरी, नदीम रियासत, हरिओम पुष्कर, शहाबुद्दीन सैफी, इतजार मेहदी नकवी, मंगल सिंह गुर्जर, लाल सिंह सैनी, मनोज कटारिया, मयंक कुमार गुर्जर, जीशान अली, डॉ. मुरारंफ खान आदि मौजूद रहे।



अली अब्बास जफर की फिल्म में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे

यशराज बैनर की फिल्म 'सैयारा' से चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे अब अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के अंतिम चरण की शूटिंग में पहुंच गए हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, निर्देशक अली अब्बास जफर की अनाम रोमांटिक-एक्शन फिल्म का करीब दो महीने लंबा यूनाइटेड किंगडम (यूके) शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस दौरान फिल्म के कई अहम ड्रामेटिक सीक्वेंस और तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। फिल्म में अहान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

तीन बड़े गानों पर

रहा खास फोकस

सूत्रों के अनुसार... 'यूके शेड्यूल में फिल्म के तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। इनमें एक सोलो गीत पूरी तरह अहान पांडे के किरदार पर आधारित है, जिसे बर्मिंघम के टाउन हॉल इलाके में फेस्टिवल जैसे माहौल के बीच फिल्माया गया। इस गाने में बड़ी संख्या में डांसर्स और स्थानीय कलाकार शामिल हुए। वहीं, अहान और शरवरी पर दो रोमांटिक गानों की शूटिंग बर्मिंघम, कोवेंट्री, पेनरिथ और कार्लाइल की खूबसूरत लोकेशनों पर हुई।

गैंगस्टर बनने की यात्रा पर आधारित कहानी

फिल्म की कहानी को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक यह सिर्फ एक गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा दिखाएगी, जो परिस्थितियों के चलते अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

फिल्म में मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे बाँबी देओल

फिल्म में बाँबी देओल का किरदार कहानी का अहम आधार होगा। बताया जा रहा है कि उनका पात्र अहान पांडे के किरदार को अपने संरक्षण में लेकर अपराध की दुनिया में आगे बढ़ाता है। यानी वह एक प्रभावशाली मेंटॉर के रूप में नजर आएंगे, जो कहानी की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, ऐश्वर्या टाकरे फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।



फाउंड फुटेज फॉर्मेट में होगी वीर की 'बारा नंबर' की कहानी

कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे फाउंड फुटेज फॉर्मेट में बनाया गया है। इस फॉर्मेट में कहानी कैमरे से मिले फुटेज के जरिए आगे बढ़ती है। फिल्म में वीर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ-साथ एक्टर के तौर पर भी नजर आएंगे। फिल्म को नरेश मलिक, जेफ लाजरस और कौशिक श्रीनिवासन की थर्ड फ्रेम स्टूडियो, कविता गुप्ता और विर की जाजू प्रोडक्शंस ने को-प्रोड्यूस किया है। कवी शास्त्री क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में शीबा चड्ढा, सुहेल नय्यर, अरुणोदय सिंह, अहसास चन्ना, अतुल कुलकर्णी, निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, पूजा सरूप और नवीन कौशिक समेत कई कलाकार हैं। फिल्म की कहानी फाउंड फुटेज के जरिए आगे बढ़ेगी। इसमें कैमरे से रिकॉर्ड हुए फुटेज को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म का फोकस किरदारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उनके आसपास होने वाली घटनाओं पर रहेगा। इस फॉर्मेट के चलते फिल्म में पारंपरिक शूटिंग स्टाइल के बजाय कैमरा खुद कहानी का हिस्सा नजर आएगा। वीर ने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए अलग अनुभव रहा। उनके मुताबिक, फाउंड फुटेज फॉर्मेट में कलाकारों को भी अपने अभिनय में स्वाभाविकता बनाए रखने पर काम करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में सभी कलाकारों ने इस अलग तरह की कहानी पर काम करने के लिए प्रयोग किए। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में जाएगी। बता दें कि वीर को पिछली बार फिल्म 'हेप्पी पटेल...' में देखा गया था। इस फिल्म को भी उन्होंने डायरेक्ट किया था।



कार्तिक की 'डोरोथी' में लीड रोल प्ले करेंगी कीर्ति सुरेश

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने अपनी फिल्म 'डोरोथी' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'डोरोथी' उनके दिल के बेहद करीब है और वह इसे कई वर्षों से बनाना चाहते थे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का म्यूजिक इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। वह इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर दोनों की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म में कीर्ति के अलावा सनंत और ऋषिकोत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और बाकी

स्टार कास्ट से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है। कार्तिक की पिछली फिल्म 'रेट्रो' थी, जिसमें सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में जयराम, जोजू जोर्ज और नासर ने भी अहम किरदार निभाए थे। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अब यह फिल्म कार्तिक के निर्देशन में बनने वाली 10वीं फिल्म होगी। इसके जरिए कीर्ति सुरेश एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने नजर आएंगी।



रोशन मैथ्यू के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी में दिखेंगी सिमर भाटिया

श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली सिमर भाटिया अब अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ फिर बड़े पर्दे पर दिखेंगी। बता दें कि सिमर, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटा हैं। जानकारी के मुताबिक, सिमर इस बार मलयालम एक्टर रोशन मैथ्यू के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। यह फिल्म एक इमोशनल और कैरेक्टर-ड्रिवन लव स्टोरी होगी। फिल्म का डायरेक्शन अधिराज बोस संभालेंगे, जो इस फिल्म से अपना फीचर डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं। इन्होंने 'एक थी डायन' और 'तलवार' जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया है। इस रोमांटिक ड्रामा को आयुष माहेश्वरी अपने बैनर बीएलएम पिक्चर्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे, जो पहले 'धक धक', 'लूप लेपेटा' और 'यारियां 2' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुका है। फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और मेकर्स की प्लानिंग है कि अगले साल के मध्य में इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए। दूसरी ओर, रोशन जल्द ही 'ट्रायल बाय फायर' के डायरेक्टर प्रशांत नायर की नई स्कैम-थ्रिलर सीरीज 'जॉब ट्रैफिकिंग' में भी दिखेंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है। इससे पहले रोशन मलयालम सिनेमा में 'सी यू सून', 'मूथोन' और हाल ही में आई 'उधिर' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं।



हिट देने के प्रेशर को पॉजिटिव रूप से देखता हूं

दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी इस साल अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' लेकर आए। इसकी सफलता, ओटीटी के बदलते मिजाज आदि पर उन्होंने खास बातचीत की... क्या सोचा था कि पहला ओटीटी प्रोजेक्ट इतना सफल रहेगा? ओटीटी को लेकर सालों से माना जाता रहा है कि यहां गंभीर और क्राइम जैसी कहानियां ज्यादा चलती हैं। इसलिए जब हम इसे लिख रहे थे तो शुरुआत में लगा कि फिल्म की तरह जल्दी जल्दी कहानी कह रहे हैं। मन में इसे लेकर शंका थी, लेकिन जब सीरीज को अच्छे नंबर मिलने लगे तो तसल्ली हुई कि हमारा रास्ता सही है। हमारा मानना है कि अगर कहानी दिल से लिखी जाए तो वह दर्शकों को जरूर पसंद आती है।

सीरीज बनने के लिए आपने इसी विषय को क्यों चुना? जब कोई कहानी नई लगती है तो उसे कहने की इच्छा होती है। साइबर क्राइम पर कई फिल्मों देखी थीं, लेकिन उनमें सिर्फ ऊपरी बातें दिखाई गई थीं। पहली बार पता चला कि किसी क्राइम को तकनीकी तरीके से कैसे सुलझाया जाता है। जैसे सीरीज में एटीएम चोरी के मामले को साइबर तकनीक की मदद से ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई है। यही बात मुझे रोचक लगी और लगा कि फ्रॉड पकड़ने की ऐसी कहानी ओटीटी के लिए ज्यादा सही है,

सिनेमा के लिए नहीं। 'प्रीतम एंड पेड्रो' को कॉमेडी के साथ जोड़ने का विचार कैसे आया?

कहानी कहने के कई तरीके होते हैं और उनमें कॉमेडी सबसे दिलचस्प तरीका है। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय पर पहले से काफी कंटेंट बन रहा था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा हल्का और मजेदार रखना चाहा। इसमें एक तरफ साइबर क्राइम की कहानी है, तो दूसरी तरफ दो दोस्तों की भी, जिनमें एक कंप्यूटर नहीं जानता और दूसरा क्राइम ब्रांच। मुझे वैसे भी हंसाने वाली कहानियां ज्यादा पसंद हैं।

क्या आप हमेशा एक हिट फिल्म देने का प्रेशर महसूस करते हैं?

जब भी कोई फिल्म बनती है, हम चाहते तो यही हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसे पसंद करें। लिखने के दौरान वो विचार तो बना ही रहता है और इसी वजह से स्ट्रिक्ट के साथ अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यह कोई निगेटिव प्रेशर नहीं है, इसको मैं पॉजिटिव रूप से देखता हूं और आजकल हर तरह की चीज लोग देख चुके हैं तो बतौर फिल्ममेकर हमारी कोशिश दर्शकों को कुछ अलग तरह का कंटेंट देने की रहती है।

डालिंब में जितेंद्र कुमार का रहस्यमयी अवतार कहानी में दिखेगा मनोविज्ञान और आस्था का खेल

'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार का एक नया प्रोजेक्ट ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी में है। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'डालिंब' है, जो सीधे श्वश्वर पर रिलीज होगी। मराठी में 'डालिंब' का अर्थ अनाद होता है, हालांकि यह एक हिंदी भाषी फिल्म है। इसमें जितेंद्र के साथ प्रिया बापट भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में सेट है, जहां एक बच्चे के अचानक गायब होने के बाद रहस्य की परतें खुलनी शुरू होती हैं।

जितेंद्र-बुल्लू का नहीं होगा 'पंचायत' जैसा टकराव

फिल्म में जितेंद्र के साथ उनके 'पंचायत' के साथी कलाकार बुल्लू कुमार भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, बुल्लू और जितेंद्र इसमें एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं बल्कि दोनों अपने-अपने किरदार और कहानी के हिस्से के मुताबिक आगे बढ़ते हैं। यहां दोनों के बीच 'पंचायत' जैसी नोक-झोंक नहीं होगी। 'डालिंब' की कहानी का मुख्य बैकड्रॉप मुंबई की एक हाई-राइज बिल्डिंग है। टीजर में भी बच्चे के गायब होने और उसके बाद पैदा होने वाले तनाव की झलक दिखाई गई है। मेकर्स ने कहानी के बड़े हिस्से को अभी छिपाकर रखा है। इसे सिर्फ बच्चे की तलाश वाली कहानी मानना सही नहीं होगा। इसे साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया जा रहा है। इस कहानी में कई ऐसे प्लॉट और सरप्राइस हैं जो चौंकाएंगे। सूत्रों से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में एक और

दिलचस्प संकेत मिला। 'डालिंब' में आस्था का पहलू भी देखने को मिल सकता है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आस्था और मनोविज्ञान का यह मेल 'डालिंब' को पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग बनाता है। कहानी में रहस्य तो है, लेकिन इसके साथ इंसानी सोच और विश्वास को भी जगह दी गई है। यही कारण है कि फिल्म को 'रमन राघव 2.0' या 'असुर' जैसी पारंपरिक मर्डर मिस्ट्री के साथ सीधे जोड़ना ठीक नहीं होगा। 'डालिंब' का ट्रीटमेंट इससे अलग बताया जा रहा है।

प्रिया एवेन करेंगी निर्देशन में डेब्यू, अधिकतर शूट मुंबई में ही हुआ है

'डालिंब' के जरिए प्रिया एवेन फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहानी को एक सीमित लोकेशन के भीतर रखते हुए किरदारों और उनके मनोविज्ञान पर फोकस किया है। बच्चे के गायब होने के साथ शुरू होने वाला यह रहस्य धीरे-धीरे वहां रहने वाले हर किरदार की जिंदगी को अपनी चपेट में लेता चला जाता है। फिल्म की शूटिंग का ज्यादातर हिस्सा मुंबई में ही शूट किया गया है।

संसेक्स

76469.92 पर बंद

निफ्टी

23882.85 पर बंद

संक्षिप्त

समाचार

टाटा ग्रुप में एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया रुकी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में



एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी का खोज का काम रुका हुआ है। इसकी वजह एक रेगुलेटरी अड़चन है। चंद्रशेखरन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं करेंगे। उनका कार्यकाल फरवरी तक है। लेकिन ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखरन की घोषणा के करीब तीन हफ्ते बाद भी टाटा ग्रुप उनके उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया शुरू नहीं कर पाया है। सूत्रों के मुताबिक चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया इसलिए रुकी हुई है क्योंकि सर रतन टाटा ट्रस्ट के खिलाफ एक जांच चल रही है। इस कारण वह अपनी आंतरिक बैठकें नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि स्कंज़ा पांच सदस्यीय जॉइंट सर्व पैनल के लिए अपना प्रतिनिधि नामित नहीं कर पा रहा है। टाटा ट्रस्ट्स का टाटा संस में मैजोरिटी स्ट्रेक है। इसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं। सूत्रों का कहना है कि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए टाटा ट्रस्ट्स ने महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर से को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट द्वारा घोषित पैनल में अपना प्रतिनिधि नियुक्त करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। आयोजित करने के लिए तीन महीने की मोहलत दी है। SRTT की ओर से मीटिंग्स पर रोक लगाने की वजह से टाटा संस को पिछले महीने कोरम पूरा न होने के कारण अपनी सालाना आम बैठक टालनी पड़ी थी।

नौकरी नहीं छोड़ते तो कितना कमाते ट्रेंड ने बताया 1.5 करोड़, मां बोली- हर महीने 12 लाख का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई सैलरी वाली कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर फुल-टाइम स्टॉक ट्रेडिंग को करियर बनाने वाले एक ट्रेंडर की कहानी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन आई है। ट्रेंडर सौरव ने एक्स पर अपनी कहानी शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने फुल-टाइम पहले 33 साल की उम्र में कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ने का फैसला किया था। उनके इस फैसले का परिवार के लोगों में विरोध भी किया था। सौरव के मुताबिक, उनके पिता ने भी उन्हें सलाह दी थी कि नौकरी जारी रखते हुए शेयर बाजार में ट्रेडिंग करें। उनका मानना था कि स्थिर आमदनी वाली नौकरी छोड़ने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, सौरव ने अपनी नौकरी छोड़ने और पूरी तरह अपने हिसाब से ज़िंदगी जीने का फैसला किया। सौरव ने बताया कि आज पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें अपना यह फैसला ज़िंदगी के सबसे अच्छे फैसलों में से एक लगता है। हाल ही में उनकी मां ने उनसे पूछा कि अगर उन्होंने कॉर्पोरेट नौकरी नहीं छोड़ी होती तो आज उनकी कमाई कितनी होती। सौरव ने अनुमान लगाया कि अगर वह नौकरी में बने रहते तो उनकी सालाना सैलरी अब तक कम से कम 1.5 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती थी। उनकी मां ने तुरंत इसका हिसाब लगाया और मजाकिया अंदाज में कहा कि नौकरी छोड़कर वह करीब 12 लाख रुपये हर महीने गंवा रहे हैं। सौरव ने इस बातचीत के ज़रिए यह समझाने की कोशिश की कि ज़िंदगी में हर चीज की कीमत पैसे से नहीं लगाई जा सकती। उनका कहना है कि आजादी और मन की शांति को सिर्फ कमाई के आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता। इसे वही व्यक्ति समझ सकता है, जिसने खुद इसका अनुभव किया हो। सौरव की पोस्ट वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

सैमसंग ने गेम्सकॉम 2026 में यूएसबी4 से लैस पी9 और पी7 एसएसडी प्रदर्शित किए

नई दिल्ली, एजेंसी। उन्नत मेमोरी तकनीक में वैश्विक अग्रणी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज यूएसबी4 कनेक्टिविटी वाले अपने आगामी पीढ़ी के पोर्टेबल सॉलिड-स्टेट ड्राइव पी9 और पी7 का अनावरण किया। कंपनी ने नई पी सीरीज को गेम्सकॉम 2026 में पेश किया, जो दुनिया का सबसे बड़ा गेमिंग आयोजन है और 26 से 30 अगस्त तक कोलोन, जर्मनी में आयोजित किया जा रहा है। अल्ट्रा-हाई-रिज़ॉल्यूशन वीडियो, एआई कंटेंट और बड़े पैमाने के गेम्स से बढ़ती स्टोरेज आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई पी सीरीज में फ्लैगशिप पी9 शामिल है, जो पेशेवर उपयोगकर्ताओं के लिए उच्च-स्तरीय प्रदर्शन प्रदान करता है, जबकि पी7 को रोज़मर्रा के विभिन्न उपयोगों

के लिए तेज़ और सुविधाजनक स्टोरेज प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में वाइस प्रेसिडेंट और ब्रांड प्रोडक्ट बिजु टीम के प्रमुख टॉमी क्रोन ने कहा, जैसे-जैसे एआई-संचालित कंटेंट निर्माण और अल्ट्रा-हाई-रिज़ॉल्यूशन वीडियो बड़ी मात्रा में डेटा को रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बना रहे हैं, उपयोगकर्ता तेज़ और अधिक भरोसेमंद स्टोरेज अनुभव की अपेक्षा कर रहे हैं। तेज़ फाइल स्टोरेज और बैकअप के साथ, क सीरीज को पेशेवरों और रोज़मर्रा के उपयोगकर्ताओं, दोनों को विभिन्न प्रकार के एप्लिकेशन पर कुशलतापूर्वक काम करने के लिए आवश्यक प्रदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।



सोना

150,870

चांदी

245,000

फेस्टिव सीजन में निवेशकों की मौजूदगी! इस महीने आईपीओ से 25,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर का महीना उन निवेशकों के लिए शानदार रहने वाला है पेशा लगाना पसंद करते हैं। कंपनियां इस महीने 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये के लॉन्च करने वाली हैं। जानकारी के मुताबिक, सितंबर में करीब 25 कंपनियां अपना लाने की लाइन में खड़ी हैं। इनमें से कई कंपनियां अपनी लिस्टिंग इसलिए पूरी करना चाहती हैं ताकि मार्केट रेगुलेटर सेबी से मिली उनकी मंजूरी लैप्स न हो जाए। इस लिस्ट में बड़ी और मध्यम दोनों तरह की कंपनियां शामिल हैं, जिनमें से कई कंपनियां 500 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाने की तैयारी में हैं। जेएम फाइनेंशियल की एमडी और सीईओ (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग) सोनिया दासगुप्ता ने श्वेद को बताया कि सितंबर में आने वाले की लाइन दिखाती है कि भारतीय शेयर बाजार कितना मजबूत है। यह इस बात का भी संकेत है कि कंपनियों के मन में जो हिचक थी, वह अब दूर हो रही है। इसी साल अप्रैल में सेबी ने उन कंपनियों को एक बार की छूट दी थी, जिनके आईपीओ की मंजूरी 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच खत्म होने वाली थी। उन्हें इस मंजूरी का इस्तेमाल 30 सितंबर तक करने की इजाजत दी गई है।

**बाकी देश में क्या बदला**

नई व्यवस्था के तहत देशभर में कोलकाता को छोड़कर कोई भी चीनी व्यापारी किसी भी समय 2,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी स्टॉक में नहीं रख सकेगा। साथ ही, खरीदी गई चीनी को स्टॉक में रखने की अवधि भी 30 दिनों से अधिक नहीं होनी चाहिए। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य चीनी की जमाखोरी रोकना, सट्टेबाजी वाले कारोबार को हतोत्साहित करना और बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना है। इससे सप्लाय चैन में चीनी की आवाजाही बेहतर होने और उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर चीनी उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार ने देशभर में चीनी मिलों, डीलरों और व्यापारियों के पास मौजूद स्टॉक की निगरानी और फिजिकल वेरिफिकेशन भी तेज किया है। इसके दौरान जरूरत से ज्यादा स्टॉक रखने, स्टॉक की जानकारी नहीं देने और चीनी की बिक्री व आवाजाही में गड़बड़ी जैसे मामलों की पहचान की गई। सरकार के मुताबिक, बाजार में चीनी की बेहतर उपलब्धता और इन निगरानी उपायों के चलते हाल के दिनों में एक्स-मिल चीनी की कीमतों में करीब 30 फीसदी की गिरावट आई है।



रहता। इस समय पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियां चल रही हैं। इसमें बड़े पैमाने पर मिठाइयां बनाई जाती हैं। चीनी की कमी से त्योहार फीका पड़ सकता था। बंगालियों को मिठाई काफी पसंद होती है। वहां मिठाई की मांग 12 महीने रहती है। ऐसे में चीनी की कमी से वहां त्योहारी सीजन में इसकी कीमत में इजाफा और फिर महंगाई बढ़ने की आशंका थी।

मुझे गंभीरता से नहीं लेते थे', वाट्सएप से जोड़े ग्राहक, 3 लाख से शुरू किया ऐसा काम कि अब 20 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। संजना त्रिपुरमल्लू आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा की रहने वाली हैं। वह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन



अहमदाबाद से पासआउट हैं। उन्होंने कुछ ही सालों में एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। इसकी नींव संजना ने 2021 में सिर्फ 3 लाख रुपये से रखी थी। उनके स्टार्टअप का नाम 'कॉस्मॉस डायमंड्स' है। बेंगलुरु का यह स्टार्टअप लैब-ग्रोन डायमंड की बिक्री करता है। इस ब्रांड ने पारदर्शिता और '100% बायबैक' पॉलिसी के दम पर 20 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का आंकड़ा छू लिया है। आइए, यहां संजना त्रिपुरमल्लू की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अहमदाबाद से पासआउट संजना त्रिपुरमल्लू ने अपने करियर की शुरुआत सैमसंग से की। साल 2020 में अपनी सगाई के लिए उन्हें मनपसंद नीले-हरे रंग के हीरे की अंगुठी चाहिए थी। इस तलाश के दौरान उन्हें पारंपरिक डायमंड मार्केट की भारी अनिश्चितताओं और कीमतों के बड़े अंतर का अहसास हुआ। डीप रिसर्च के दौरान उन्हें खनन किए गए हीरों के पीछे के अवैध व्यापार का सच पता चला। इसके बाद उन्होंने लैब-ग्रोन डायमंड तकनीक के बारे में जाना। पर्यावरण के अनुकूल और शत-प्रतिशत समान क्वालिटी वाले इस विकल्प ने संजना को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने गुजरात के मैन्यूफैक्चर्स से संपर्क कर खुद की सगाई की अंगुठी तैयार की। फिर दोस्तों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसे एक व्यावसायिक रूप देने का फैसला किया।

सिर्फ 3 लाख रुपये से शुरुआत

साल 2021 में संजना ने अपने बेडरूम से 3 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी से स्टार्टअप की नींव रखी। वाट्सएप ग्रुप के जरिए ग्राहकों को जोड़ना शुरू किया। उस समय बाजार में लैब-ग्रोन डायमंड्स को लेकर भारी गलतफहमियां थीं। लोग इन्हें 'नकली' मानते थे। यहां तक कि कारीगर भी इनके साथ काम करने से कतराते थे। इस झड़झक और पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए संजना ने ग्राहकों को जागरूक करने के मकसद से यूट्यूब पर वीडियो बनाने शुरू किए। ये काफी वायरल हुए। इसके बाद उन्होंने 2023 में विजयवाड़ा में अपना पहला फिजिकल स्टोर खोला। इसने पहले ही महीने से मुनाफा देना शुरू कर दिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया, 'कारीगर कहते थे कि यह असली हीरा नहीं है। वे इस पर काम नहीं करेंगे। निजी तौर पर वे मुझे गंभीरता से भी नहीं लेते थे। मुझसे अकेले आने के बजाय पिता को साथ लाने को कहते थे।' स्टार्टअप ने वित्त वर्ष 2025-26 में 20 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया। इसमें से 35% बिक्री ऑनलाइन माध्यम से हुई।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं यूनियन बैंक दे रहे हैं सबसे सस्ता पर्सनल लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कई बैंक और संस्थाएं कई प्रकार का लोन देती हैं। इनमें होम लोन, एजुकेशन लोन, कार लोन समेत अन्य लोन्स होते हैं। इसके अलावा एक लोन होता है पर्सनल लोन। आमतौर पर पर्सनल लोन लेने से लोगों को बचने की सलाह दी जाती है क्योंकि इसके लिए बैंक अन्य लोन की तुलना में अधिक ब्याज लेते हैं।

हालांकि, जब अधिक जरूरी हो या फिर आपका सिबिल स्कोर 750 से ज्यादा हो, तो आप जरूरत के हिसाब से पर्सनल लोन ले सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे बैंक/एनबीएफसी की लिस्ट दिखा रहे हैं जो अन्य की तुलना में सस्ता पर्सनल लोन ऑफर कर रहे हैं। ये आंकड़े 2026 के हैं।

कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन देने वाले बैंक

देश में कई सारे बैंक हैं तो अपने पात्र ग्राहकों को पर्सनल लोन देते हैं। इनमें से कुछ के बारे में हम यहां बता रहे हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बात करें तो यह ग्राहकों को 8.75 फीसदी से लेकर 13.55 फीसदी की ब्याज दर से पर्सनल लोन देता है। यूनियन बैंक अपने पात्र ग्राहकों को 8.75 से लेकर के 12.55 फीसदी की ब्याज दर से पर्सनल लोन देता है। महिंद्रा फाइनेंस 8 से लेकर 25 फीसदी की ब्याज दर से पर्सनल लोन

देता है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अपने पात्र ग्राहकों को 9.85 से लेकर के 11.65 फीसदी



की ब्याज दर से पर्सनल लोन देता है। केनरा बैंक 9.70 फीसदी से लेकर 15.15 फीसदी के ब्याज से पर्सनल लोन देता है। एक्सिस बैंक अपने ग्राहकों के लिए पर्सनल लोन की शुरुआत 9.99 फीसदी की ब्याज दर से करता है। आईसीआईसीआई बैंक ग्राहकों के लिए पर्सनल लोन की शुरुआत 9.99 फीसदी की ब्याज दर से करता है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक भी अपने

पीपीएफ वर्सेस केवीपीएन ये सरकारी स्कीम दे रही हैं धांसू रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। लोग भविष्य की जरूरतों को देखते हुए पैसे की बचत करते हैं। इसके लिए वे कई सारी योजनाओं में निवेश करते हैं। इसके साथ ही अपने एक्सपर्ट्स से सलाह भी लेते हैं। इस दौरान वे सरकारी और प्राइवेट दोनों जगहों पर अच्छी स्कीम की तलाश में होते हैं। इस बीच हम यहां आपके लिए दो सरकारी योजनाओं की तुलनात्मक खबर लेकर आए हैं। एक ऐसी योजना है, जिसमें टैक्स की बचत होती है तो दूसरी की सबसे खास बात यह है कि एक निश्चित समय में वह जमा राशि को डबल यानी की दोगुना कर देती है। इनका नाम सार्वजनिक भविष्य निधि और किसान विकास पत्र है। आइए जानते हैं कि इन दोनों में से दमदार कौन है और कहां पर सबसे अधिक रिटर्न मिल सकता है। शुरुआत हम पीपीएफ से करेंगे।

अब बात किसान विकास पत्र की करते हैं। वैसे योजना के नाम में किसान शब्द है, लेकिन यह सरकारी स्कीम केवल किसानों के लिए ही

नहीं बल्कि पूरे भारतीयों के लिए है। आप इस योजना के तहत कम से कम 1000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। इसमें अधिकतम



निवेश की कोई सीमा नहीं है। यह मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं, जो सिंगल होल्डर, ज्वॉइंट ए और ज्वॉइंट बी नाम से हैं। सिंगल होल्डर एक व्यक्ति या नाबालिग के लिए होता है। 'ज्वॉइंट ए' दो व्यक्तियों (अधिकतम तीन व्यक्ति) के लिए होता है। जिसमें दोनों (सभी) संयुक्त रूप से पैसे जमा करते हैं। 'ज्वॉइंट बी' दो व्यक्तियों (अधिकतम तीन) के लिए होता है। इसमें किसी

एक व्यक्ति या जीवित बचे व्यक्ति को पेमेंट किया जा सकता है। इस सरकारी बचत योजना में सरकार के द्वारा सालाना 7.5 फीसदी का चक्रवृद्धि ब्याज दिया जाता है। 30 महीनों तक आप खाते से पैसे नहीं निकाल सकते हैं। हालांकि, इसके बाद पैसे निकाले जा सकते हैं। वहीं, 7.5 फीसदी की वार्षिक ब्याज दर से निवेश की गई राशि 9 साल 7 महीने यानी कि करीब 115 महीनों डबल (दोगुनी) हो जाती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप अपने निवेश पर टैक्स में छूट के साथ पैसा बनाना चाहते हैं तो आप पीपीएफ में निवेश की प्लानिंग कर सकते हैं। इस योजना में 15 साल तक रिस्क फ्री तय ब्याज दर से रिटर्न की सुविधा होती है। टैक्स में छूट मिलने पर इसका नेट रिटर्न केवीपी से बेहतर हो सकता है। वहीं, अगर आप बिना टैक्स बचाए मोटी रकम लगाकर मोटा रिटर्न पाना चाहते हैं तो उसके लिए केवीपी योजना सही मानी गई है। यहां पैसे डबल करने की भी सुविधा है।

सोल, कोरिया, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज नया 14 इंच गैलेक्सी बुक6 पेश किया है।

रोजमर्रा के कामकाज को ध्यान में रखकर बनाया गया यह मॉडल गैलेक्सी बुक6 लाइनअप को और ज्यादा लोगों तक पहुंचाता है। 799 डॉलर से शुरू होने वाले गैलेक्सी बुक6 में 25 घंटे तक चलने वाली बैटरी, इंटरल कोर 3 और कोर 5 की परफॉर्मंस, गैलेक्सी एआई वाले फीचर्स और गैलेक्सी बुक6 परिवार का वही जाना पहचाना डिजाइन मिलता है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की गैलेक्सी इकोसिस्टम्स बिजनेस टीम के प्रमुख और एग्जिक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मिनचोल ली ने कहा, नए गैलेक्सी बुक6 के साथ हम गैलेक्सी बुक का अनुभव और ज्यादा लोगों

तक पहुंचाना चाहते थे। कम कीमत में यह वे सारी चीजें एक साथ देता है जिन्हें यूजर



रोज काम में लाते हैं, जैसे भरोसेमंद परफॉर्मंस, लंबी चलने वाली बैटरी, आपस में जुड़े गैलेक्सी अनुभव और गैलेक्सी बुक6 का डिजाइन डीएनए। यह भरोसा

खरीदने के बाद भी बना रहता है।

नया गैलेक्सी बुक6 उन्हीं कामों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जिन पर लोग रोज निर्भर रहते हैं, फिर चाहे वह वेब ब्राउज करना और डॉक्यूमेंट बनाना हो या वीडियो कॉल, एक साथ कई काम और कंटेंट स्ट्रीमिंग। एक बार चार्ज करने पर 25 घंटे तक चलने वाली बैटरी के साथ यूजर दिन भर लंबे समय तक काम कर सकते हैं, पढ़ाई कर सकते हैं और कंटेंट का मजा ले सकते हैं। और चार्ज करने की बारी आए, तो 45 वॉट फास्ट चार्जिंग 30 मिनट में करीब 33 प्रतिशत चार्ज कर देती है।

लंबे समय तक चलने वाली इस बैटरी के साथ मिलती है इंटेल0 कोर5 सीरीज 3 प्रोसेसर की परफॉर्मंस, यानी इंटरल का नया आर्किटेक्चर और बिजली की कम खपत,

वह भी रोज के पीसी कामों में। यह प्रोसेसर गैलेक्सी एआई और दूसरे एआई फीचर्स को भी सपोर्ट करता है, जो यूजर के लिए एक करीना, कुछ नया बनाना और चीजों को आसानी से निपटाना और सरल बना देते हैं। गैलेक्सी बुक6 लाइनअप में शामिल हुआ यह नया मॉडल सीरीज के उसी डिजाइन को आगे बढ़ाता है, जिसकी पहचान है साफ सुथरी, संतुलित लाइनें और दोनों तरफ एक जैसी बनावट। बीचोंबीच दिया गया लोगो गैलेक्सी बुक6 की एक जैसी पहचान को और मजबूत करता है। सिर्फ 15.7 मिमी पतले और 1.35 किलो वजन वाले गैलेक्सी बुक6 में स्लिम बनावट के साथ ऐसा हल्कापन है कि इसे दिन भर साथ ले जाना आसान रहता है, चाहे घर और स्कूल हो या दफ्तर और सफर।

साधा, लियाम स्कॉट, स्पेंसर जॉनसन, बेन ड्वार्थिंग्स, जोश फिलिप, आरोन हार्डी, जिन्हा चौधरी और महली जेयसमैन 'ए' स्क्वाड का हिस्सा हैं, जो वनडे या टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेल चुके हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की येनन स्पोर्ट्स के अध्यक्ष जॉर्ज बेलेरी ने कहा कि यह दौरा लियाम स्मिथ से महत्वपूर्ण है क्योंकि आगले साल ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम भारत का दौरा करने वाली है। उन्होंने कहा, 'हम इन टीमों को लेकर उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि वे इस सीरीज में अच्छे प्रदर्शन करेंगे। इनमें से कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि अन्य के लिए यह ऑस्ट्रेलिया ए और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एकादश में मिले मैकों को आगे बढ़ाना है। ब्रेंडन डॉगट, जैक एडवर्ड्स, पीटर हैंड्सकॉम्ब, सैम हार्पर, लियाम हैचर, कैपबेल केलवे, सैम कांस्टास, नाथन मैकस्विनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, जोश फिलिप, ड्राई रिचर्डसन, कोरी रॉकिंगओली, जेसन सन, लियाम डंकन, कोरी



संक्षिप्त

समाचार

एनएचआई टोल प्लाजा कलेक्शन

धोखाधड़ी मामले में ईडी का एक्शन, दिल्ली-यूपी समेत सात राज्यों में मारा छापा

लखनऊ/दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को कई राज्यों में छापामारी की। यह छापामारी नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचआई) के अलग-अलग टोल प्लाजा पर धोखाधड़ी से टोल वसूली से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और पश्चिम बंगाल में लगभग 14 जगहों पर तलाशी ली गई। केंद्रीय एजेंसी द्वारा पुलिस की दो एफआईआर का संज्ञान लेने के बाद प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत यह कार्रवाई शुरू की गई। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि टोल रसीदें बनाने के लिए अनधिकृत सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया गया और टोल से हुई कमाई को आधिकारिक अकाउंटिंग सिस्टम से बाहर डायवर्ट किया गया। ईडी अधिकारियों ने बताया कि फोरेनिक जांच और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के रिकॉर्ड से ऐसे सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि इस छापेमारी का मकसद डिजिटल और दस्तावेजी सबूत जुटाना, लाभार्थियों की पहचान करना और अपराध से हुई कमाई का पता लगाना है।

अखबार के दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी, शुभेंद्रु अधिकारी ने हेडलाइन को लेकर जताई थी आपत्ति

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक अखबार के दफ्तर के बाहर केसरिया कपड़े पहने 25-30 प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अखबार की हालिया कवरेज के खिलाफ नारे लगाए और मुख्य प्रवेश द्वार के पास बने दो खंभों पर केसरिया रंग पोत दिया। प्रदर्शनकारी दोपहर करीब 1 बजे प्रभुल्ल सरकार स्ट्रीट पर स्थित अखबार के दफ्तर पहुंचे। मौके पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच, समूह के कुछ सदस्यों ने धरने पर बैठने से पहले मुख्य गेट पर केसरिया रंग का दुपट्टा (स्टोल) डाल दिया। प्रदर्शनकारियों ने हिंदी और बंगाली दोनों भाषाओं में नारे लगाए। लगभग 30 मिनट तक विरोध-प्रदर्शन करने के बाद प्रवेश द्वार के दोनों ओर बने दो संकेद खंभों पर केसरिया रंग लगा दिया। बाद में अखबार के मैनेजमेंट ने इस रंग को हटा दिया और एक घंटे के भीतर खंभों को उनके मूल रंग में वापस ला दिया। बीजेपी के प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा, "मुझे नहीं पता कि वहां कौन-कौन गया था। केसरिया रंग पहनना कोई राजनीतिक पहचान नहीं हो सकता। अगर किसी खास व्यक्ति की पहचान होती है तो पार्टी उस पर टिप्पणी कर सकती है। हमारी पार्टी किसी भी जगह पर हमले का समर्थन नहीं करती है।

छत्तीसगढ़ एवसी बोला-बीमार मां को न छोड़ना क्रूरता नहीं, तलाक मंजूर

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी पति का अपनी बूढ़ी और बीमार मां को छोड़कर कहीं और रहने से इनकार करना उसकी पत्नी के प्रति क्रूरता नहीं माना जा सकता, क्योंकि शादी से माता-पिता के प्रति व्यक्ति की जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं। जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी ने अपनी पत्नी से तलाक चाहने वाले एक व्यक्ति की अपील को मंजूरी दी, उसकी तलाक की अर्जी खारिज करने वाले दायल कोर्ट के आदेश को रद्द किया और शादी को खत्म कर दिया। हाई कोर्ट ने पत्नी की इस जिद पर ध्यान दिया कि उसका पति किसी दूसरे घर में रहे और कहा कि अलग घर की मांग को हमेशा क्रूरता नहीं माना जा सकता, क्योंकि जीवनसाथी के पास अलग घर चाहने के वाजिब कारण हो सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि यह देखना जरूरी था कि क्या ऐसी जिद हालात के हिसाब से सही थी या यह पति को अपने माता-पिता से रिश्ता तोड़ने या बदने के लिए मजबूर करने की अनुचित कोशिश थी। इस मामले में पति की मां बहुत बूढ़ी और बीमार थीं। हाई कोर्ट ने कहा कि पति का यह कहना कि वह अपनी मां से दूर नहीं होना चाहता, न तो अप्राकृतिक था। (* और न ही अनुचित। बल्कि, यह परिवार के प्रति एक वाजिब जिम्मेदारी को दिखाता है, जिस पर वह यह तय करते समय विचार कर सकता था कि कहाँ रहना है। हाई कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैवाहिक रिश्ता किसी भी जीवनसाथी को दूसरे को पहले से चली आ रही पारिवारिक जिम्मेदारियों को छोड़ने या उनसे मुंह मोड़ने के लिए मजबूर करने का साधन नहीं है। अधिकार नहीं देता।

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370-48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा।प्रतिनिधि सभा की विनियोग समिति के अध्यक्ष सांसद टॉम कोल ने कहा कि इससे देश और लोगों को यह भरोसा मिलेगा कि सरकार का कामकाज चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि इससे यह भी तय रहेगा कि सेना के जवानों को उनका वेतन मिलता रहेगा। पिछले साल कितने लंबे शटडाउन हुए थे?पिछली शरद ऋतु में रिकॉर्ड 43 दिनों तक सरकारी कामकाज बंद रहा था। दोनों पार्टियों में उस टैक्स क्रेडिट को जारी रखने को लेकर सहमति नहीं बनी थी, जिसकी समय सीमा खत्म हो रही थी। यह टैक्स क्रेडिट अफोर्डेबल केयर एक्ट के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की लागत कम करता है।इसके बाद गृह सुरक्षा विभाग का कामकाज भी बंद हुआ था। यह शटडाउन 76 दिनों तक चला। बाद में सांसदों ने विभाग के बड़े हिस्से के लिए फंडिंग पर सहमति बना ली। हालांकि, आब्रजन कानून लागू करने से जुड़े कामों के लिए फंडिंग नहीं दी गई।

सांसद इस बार क्या चाहते थे? सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव से पहले फिर ऐसी स्थिति बने। उन्होंने हाल के गतिरोध के लिए एक-दूसरे की पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जोनसन ने वोटिंग से पहले पत्रकारों से कहा कि वे एक और डेमोक्रेटिक शटडाउन के खतरे से बचेंगे।

लखनऊ में अखिलेश-मायावती के राजनीतिक द्वंद्व की कहानी, योगी राज में शुरू विक्रमादित्य मार्ग पुल का निर्माण

लखनऊ, एजेंसी। विक्रमादित्य मार्ग पर मंगलवार से रेलवे ने जिस रोड ओवरब्रिज का निर्माण शुरू कर दिया, वह पुल कभी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच राजनीतिक द्वंद का कारण बना था। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुए माल एवेन्यू रेलवे क्रासिंग पर रोड ओवरब्रिज बना दिया था। ओवरब्रिज बसपा सुप्रीमो मायावती के आवास और कार्यालय के सामने से गुजरा। इसके बदले अखिलेश यादव के विक्रमादित्य मार्ग स्थित सरकारी आवास के सामने से दिलकुशा की ओर रोड ओवरब्रिज बनाने की योजना को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी थी। अब जबकि अखिलेश यादव यह आवास खाली कर चुके हैं, भाजपा सरकार में शुरू हुए इस पुल के निर्माण ने राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है। माल एवेन्यू रेलवे क्रासिंग पर पुल बनाने की योजना वर्ष 2003 से

2007 की सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने बनायी



थी। हालांकि वर्ष 2007 में बसपा सुप्रीमो मायावती मुख्यमंत्री बनी तो उन्होंने अपने घर के सामने पुल बनाने की योजना को रद्द कर दिया। यूपीए सरकार में वर्ष 2011 के रेल बजट में मुलायम सिंह यादव के विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास

के सामने से दिलकुशा तक रेलवे क्रासिंग 213 पर ओवरब्रिज बनाने की योजना

मुख्यमंत्री रहते हुए बढ़ा दिया। अखिलेश यादव ने बसपा सरकार के पुल बनाने के प्रोजेक्ट को रद्द करने के आदेश को वापस ले लिया। वर्ष 2013 में करीब 44 करोड़ रुपये की लागत से मायावती के आवास और बसपा कार्यालय से सेना भर्ती मुख्यालय के सामने तक पुल बनाने का शिलान्यास हो गया। अपने हिस्से का 655.94 मीटर के हिस्से का निर्माण कर लिया, लेकिन दबाव में आया रेलवे इस प्रोजेक्ट से पीछे हट गया। उसने रेलवे क्रासिंग के ऊपर के काम को भी सेतु निगम को सौंप दिया। तब निगम ने इस कार्य को पूरा किया और चार नवंबर 2014 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस पुल का लोकार्पण किया। मायावती के घर के सामने पुल बनने के बाद अब बारी उस समय अखिलेश यादव के विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास के सामने पुल बनाने की थी।

हिमाचल के 5 जिलों में बारिश का अलर्ट, नाहन-श्रीरेणुकाजी रोड पर दरका पहाड़

शिमला/नाहन, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बारिश का दौर लगातार जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने पांच सितंबर तक प्रदेश के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना जताई है। तीन सितंबर तक चंबा,



कांगड़ा, मंडी, बिलासपुर और सिरमौर जिले में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। प्रदेश में वर्षा व भूस्खलन के कारण 60 सड़कें बंद हैं। अधिकतर सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों की बंद हैं। प्रदेश में 30 जून से एक सितंबर तक 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

जिला सिरमौर में नाहन ददाहू श्रीरेणुकाजी मार्ग नैहली के पास पूरी तरह बंद हो गया है, जिसे बहाल करने

में काफी समय लग सकता है। यहां पहाड़ी दरक गई है। एसडीएम नाहन राजीव संख्यान ने लोगों से अपील की है कि नाहन से ददाहू श्रीरेणुकाजी जाने वाले लोग जमटा से बिरला होते हुए अथवा शिलनू-केलाशा मार्ग का उपयोग

16 लाख 50 हजार रुपए का नुकसान आंका गया है। वहीं जल शक्ति विभाग की 35 पेयजल एवं सिंचाई योजनाएं प्रभावित हुई हैं। इनमें नौहराधार क्षेत्र की 24 और नाहन क्षेत्र की 11 योजनाएं शामिल हैं। जल शक्ति विभाग को करीब 2 करोड़ 22 लाख 50 हजार रुपए के नुकसान का अनुमान है। प्रदेश में आगस्त में सामान्य से 17 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। प्रदेश में सामान्य वर्षा 256.8 मिलीमीटर की अपेक्षा 212.5 दर्ज की गई। वर्ष 1901 के बाद अगस्त की 29वीं सबसे कम वर्षा है।

मकान गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत

सुलह विधानसभा क्षेत्र के तहत साम्बा पंचायत के वार्ड दो में सोमवार रात स्लेटपोश मकान की छत गिरने से 106 वर्षीय लच्छी देवी पत्नी स्वर्गीय मंगत राम की दबने से मौत हो गई। लच्छी देवी पुराने कच्चे मकान में अकेली रहती थीं। उनके तीन बेटे हैं, जिनमें से एक की पहले ही मौत हो चुकी है। दूसरे बेटों चूड़ामणि नाग व राज कुमार ने कच्चे मकान के साथ ही अलग पक्के मकान बनाए हैं और वहीं रहते हैं। भवारना पुलिस ने स्वजन के बयान दर्ज किए। पंचायत के प्रधान संजय गुलेरिया भी मौजूद रहे।

घातक बाढ़ के बाद नेपाल की बड़ी मांग, भारत-चीन और अमेरिका से मांगा ‘क्लाइमेट मुआवजा’

बीजिंग, एजेंसी। नाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल ने अंतरराष्ट्रीय मदद को लेकर अपना रुख और मुखर करते हुए अब जलवायु मुआवजे की मांग उठाई है। नेपाल का कहना है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उसका योगदान बेहद कम है, लेकिन जलवायु परिवर्तन का सबसे गंभीर असर हिमालयी देशों को झेलना पड़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और चरम मौसम की घटनाएं बढ़ रही हैं। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल अब जलवायु आपदाओं के बाद मिलने वाली सहायता को केवल मानवीय मदद के रूप में नहीं देखना चाहता। उसका जोर जलवायु जिम्मेदारी को मुआवजे पर है। उन्होंने कहा कि नेपाल अपनी कूटनीतिक रणनीति को मदद से न्याय और मुआवजे की ओर ले जा रहा है। खनाल के मुताबिक, यह किसी देश की ओर से दी जाने वाली चैरिटी का मामला नहीं है, बल्कि जलवायु संकट के लिए जिम्मेदारी तय करने और प्रभावित देशों को मुआवजा देने का सवाल है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय साझेदारों की औपचारिक क्लाइमेट कंफ्रेंसेशन व्लेम लेटर भी भेजा है। नेपाल ने संयुक्त राष्ट्र से पांच अरब डालर की मदद की मांग की है। नेपाल के विदेश मंत्री ने चीन, अमेरिका और भारत को दुनिया के प्रमुख औद्योगिक उत्सर्जकों में शामिल बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक रूप से अधिक उत्सर्जन करने वाले देशों की जिम्मेदारी बनती है कि वे नेपाल जैसे जलवायु-संवेदनशील देशों की मदद करें। उन्होंने कहा कि चीन दुनिया का सबसे बड़ा औद्योगिक उत्सर्जक है और उसके बाद अमेरिका तथा भारत का स्थान आता है। नेपाल का तर्क है कि जिन देशों का उत्सर्जन अधिक रहा है, उनकी जिम्मेदारी भी जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों के प्रति अधिक होनी चाहिए।

एससीओ देशों के घोषणापत्र में ईरान पर अमेरिका के हमलों की निंदा

बिश्केक, एजेंसी।

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ देशों के राष्ट्रध्यक्षों की बैठक हुई। इसके बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। इसे ‘बिश्केक घोषणापत्र’ कहा गया है। इसमें सदस्य देशों ने पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई।

शंआई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों ने मंगलवार को आतंकवाद से लड़ाई में ‘दोहरा मापदंड’ अपनाने को ‘अस्वीकार्य’ बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने की अपील की। इसमें आतंकवादियों की एक देश से दूसरे देश में सीमा पार आवाजाही रोकना भी शामिल है।

बिश्केक में एससीओ देशों के राष्ट्रध्यक्षों की बैठक हुई। इसके बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। इसे ‘बिश्केक घोषणापत्र’ कहा गया है। इसमें सदस्य देशों ने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई। साथ ही ईरान पर अमेरिका के हमलों की निंदा की।

एससीओ सदस्य देशों ने हर तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से लड़ाई में ‘दोहरा मापदंड’ अपनाना ‘अस्वीकार्य’ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति

व्लादिमीर पुतिन ने भी इस संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। बयान में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र को इसमें केंद्रीय भूमिका



निभानी चाहिए। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति को पूरी तरह लागू करना चाहिए।

इन देशों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की अपील की। इसमें आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही को रोकना भी शामिल है। बयान में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र को इसमें अहम भूमिका निभानी चाहिए। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवाद रोधी

रणनीति को पूरी तरह लागू करना चाहिए। यह काम संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के



अनुसार होना चाहिए। एससीओ में रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, उज्बेकिस्तान, काजाखस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिज गणराज्य शामिल हैं। घोषणापत्र में कहा गया कि आतंकवाद, अलगाववाद और कट्टरपंथी गतिविधियों के लिए इंटरनेट के इस्तेमाल को रोकना जरूरी है। सदस्य देश अंतरराष्ट्रीय सूचना सुरक्षा और सूचना की सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी तालमेल बढ़ाएंगे। साथ ही, वे नए तरह के अपराधों से लड़ने के लिए भी मिलकर काम करेंगे।

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की सुरक्षा में

तैनात रहेंगे दो पुलिसकर्मी, हाई कोर्ट का बंगाल सरकार को निर्देश

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को उनके संसदीय क्षेत्र में जाने के दौरान पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। मंगलवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि महुआ जब भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रवेश करेंगी, उनके साथ कम से कम दो पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। यह सुरक्षा फिलहाल 30 दिनों के लिए दी गई है। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी। अदालत ने कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में जाने की तारीखों की जिम्मेदारी पहले पुलिस को देनी होगी। उसी के अनुसार पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था करेगी। महुआ ने कोर्ट का रुख करते हुए आरोप लगाया था कि अपने संसदीय क्षेत्र में जाने पर उन्हें घेरकर विरोध-प्रदर्शन किया जाता है और राजनीतिक उद्देश्य से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाती है।

नैनीताल-बागेश्वर-देहरादून में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी, आरेंज अलर्ट; 3 जिलों के स्कूल बंद



देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में मानसून के तेवर तल्ख बने हुए हैं। पहाड़ से मैदान तक घने बादलों का डेरा है और अधिकांश क्षेत्रों में भारी बारिश का दौर जारी है। लगातार वर्षा से नदियां उफान पर हैं, निचले इलाकों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। आकाशीय बिजली की चमक और बादलों की तेज गर्जना से लोग सहमे हुए हैं। आज भी प्रदेश में देहरादून-नैनीताल समेत तीन जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, सोमवार रात को देहरादून और हरिद्वार में बारिश आफत बन गई। यहां कई इलाकों में 100 मिमी से अधिक वर्षा हुई। जिससे आवासीय क्षेत्रों

में बाढ़ जैसे हालात बन गए और घरों में पानी व मलबा घुस गया। नैनीताल में बीती रात से बारिश थमी है, घने बादल छाप हुए हैं। झील से 18 इंच पानी की निकासी हुई है। निकासी द्वार 24 घंटे से खुले हैं। नैनीताल में 40 सड़कें बंद हैं और यहां आज ऑरेंज अलर्ट के चलते विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है।

पहाड़ों में भारी बारिश से जगह-जगह भूस्खलन हो रहा है और मार्ग बाधित हो रहे हैं। कई मुख्य मार्गों पर भी आवाजाही प्रभावित हो रही है। लगातार हो रही बारिश से ज्यादातर क्षेत्रों का अधिकतम तापमान सामान्य से बहुत कम दर्ज किया गया। वहीं बागेश्वर में रात भर बारिश हुई, बारिश के बाद से 12 सड़कें और स्कूल बंद हैं। प्रशासन ने यलो

अलर्ट जारी किया है। वहीं पिथौरागढ़ में बारिश हो रही है और करीब 17 मार्ग बंद हैं। कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों में आज अवकाश घोषित किया गया है।

आज तीन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने बुधवार के लिए नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन तीनों जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। साथ ही कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और वर्षा के अति तीव्र से अत्यंत तीव्र दौर की चेतावनी दी गई है। वहीं, प्रदेश के शेष जिलों के लिए यलो

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला

प्रतिनिधि सभा ने दिसंबर तक फंडिंग वाला बिल पास किया, अब ट्रंप की मंजूरी बाकी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370-48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा। प्रतिनिधि सभा की विनियोग समिति के अध्यक्ष सांसद टॉम कोल ने कहा कि इससे देश और लोगों को यह भरोसा मिलेगा कि सरकार का कामकाज चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि इससे यह भी तय रहेगा कि सेना

के जवानों को उनका वेतन मिलता रहेगा। पिछली शरद ऋतु में रिकॉर्ड 43 दिनों तक सरकारी



कामकाज बंद रहा था। दोनों पार्टियों में उस टैक्स क्रेडिट को जारी रखने को लेकर सहमति नहीं बनी थी, जिसकी समय सीमा खत्म हो रही थी। यह टैक्स क्रेडिट अफोर्डेबल केयर एक्ट के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की लागत कम करता है। इसके बाद गृह सुरक्षा विभाग का कामकाज भी बंद हुआ था। यह शटडाउन 76 दिनों तक चला। बाद में सांसदों ने विभाग के बड़े हिस्से के लिए फंडिंग पर सहमति बना ली। हालांकि, आब्रजन कानून लागू करने से जुड़े कामों के लिए फंडिंग नहीं दी गई। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव से पहले फिर ऐसी स्थिति बने। उन्होंने हाल के गतिरोध के लिए एक-दूसरे की पार्टी को